राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 06 अक्टूबर 2025 वर्ष-8,अंक-227 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

8 अक्टूबर को प्रधानमंत्री करेंगे नवी मुंबई हवाई अड्डे का उद्घाटन

नवी मुंबई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 अक्टूबर को नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे। यह मुंबई महानगरीय क्षेत्र का दूसरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा होगा, जिससे मुंबई के बढ़ते हवाई यातायात पर दबाव कम होने की उम्मीद है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना में अडानी समूह की 74 प्रतिशत हिस्सेदारी है और महाराष्ट्र सरकार के सिडको की 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है। हवाई अड्डे के पहले चरण की लागत लगभग 19,647 करोड़ रुपये है, जबकि पूरी परियोजना का बजट लगभग 1 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। नए हवाई अड्डे को 30 सितंबर को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से उड़ान लाइसेंस प्राप्त हुआ और दिसंबर 2025 से वाणिज्यिक उड़ानें शुरू होंगी। घरेलू एयरलाइंस एयर इंडिया, इंडिगो और अकासा एयर ने घोषणा की है कि वे अपनी कुछ सेवाएँ नए हवाई अड्डे पर स्थानांतरित करेंगी। एनएमआई कोड और विश्व स्तरीय सुविधा अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (आईएटीए) ने हवाई अड्डे को एनएमआई कोड दिया है। 1160 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले इस हवाई अड्डे का निर्माण 4 टर्मिनलों के साथ चरणों में किया जा रहा है। पूरी तरह से चालू होने के बाद, यह हब सालाना 9 करोड़ यात्रियों और 32.5 लाख टन कार्गो को संभालने में सक्षम होगा, जिससे यह एशिया के सबसे बड़े हवाई अड्डों में से एक बन जाएगा। वर्तमान में, पहला टर्मिनल पूरा हो चुका है और इसकी क्षमता 2 करोड़ यात्रियों और 8 लाख टन कार्गो की है। इसके लिए एक अलग रनवे भी बनाया गया है। पूर्ण मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के साथ, यह भारत का पहला हवाई अड्डा होगा जो एक्सप्रेसवे, राजमार्ग, मेट्रो, उपनगरीय रेलवे और जल टैक्सियों जैसी परिवहन प्रणालियों से जुड़ा होगा। स्वचालित यात्री आवाजाही प्रणाली यात्रियों को सभी टर्मिनलों के बीच आसानी से आने-जाने की अनुमति देगी। यह एक ग्रीन हवाई अड्डा भी होगा, क्योंकि इसमें स्थायी विमानन ईंधन भंडारण सुविधाएं भी होंगी।

प्रधानमंत्री का दौरा और उद्घाटन कार्यक्रम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 अक्टूबर को दोपहर 2.40 बजे नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुँचेंगे। सिडको के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक विजय सिंघल ने कहा कि लगभग 2 घंटे हवाई अड्डे पर रहने के बाद, वह सबसे पहले टर्मिनल का निरीक्षण करेंगे और उपस्थित लोगों को संबोधित करेंगे।

कफ सिरप मामला: देश के कई राज्यों में ताबड़तोड़ छापे, पांच यूनिट्स पर एक्शन

नई दिल्ली कफ सिरफ से हुई बच्चों की मौत के मामले में जांच हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में चल रही हैं, जहां से कुल 19 दवाओं (जिनमें खांसी की दवाएं, एंटीबायोटिक्स और बुखार की दवाएं शामिल हैं) के सैंपल लिए गए। शुक्रवार से शुरू हुई इस जांच का उद्देश्य दवा निर्माण प्रक्रिया में संभावित खामियों की पहचान करना और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उपाय सुझाना है। मध्य प्रदेश और राजस्थान में कथित रूप से जहरीले कफ सिरप से बच्चों की मौत के बाद केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ ने छह राज्यों में दवा निर्माण इकाइयों की रिस्क-बेस्ड (जोखिम-आधारित) जांच शुरू कर दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि आईसीएमआर, नीरी, एम्स नागपुर और सीडीएससीओ के विशेषज्ञों की एक टीम बच्चों की मौत के कारणों की वैज्ञानिक जांच कर रही है। मंत्रालय ने बताया कि सीडीएससीओ द्वारा जांचे गए छह नमूने और मध्य प्रदेश फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा जांचे गए तीन नमूनों में डायइथिलीन ग्लाइकॉल और इथिलीन ग्लाइकॉल जैसे घातक रासायनिक तत्व नहीं पाए गए।तमिलनाडु के कांचीपुरम स्थित निर्माण इकाई से लिए गए कोल्ड्रिफ कफ सिरप के सैंपलों की जांच में डीईजी की मात्रा अनुमेय सीमा से अधिक पाई गई। इसके बाद तमिलनाडु सरकार ने इस खांसी की दवा की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया और बाजार से स्टॉक हटाने का आदेश जारी किया।

बिना फास्टैग वाले वाहनों को जुर्माने से राहत

2 गुने के स्थान पर अब सवा गुना

नई दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्गों पर अब टोल टैक्स की वसूली के नियमों में परिवर्तन किया गया है। जो 15 नवंबर से लागू होगा। केंद्र सरकार ने जो प्रावधान किया है। उसके अनुसार वाहन चालक बिना किसी फास्ट टैग के टोल प्लाजा पर पहुंचते हैं। वह यूपीआई के द्वारा भुगतान करते हैं, ऐसी स्थिति पर अब उन्हें दोगुनी जुर्माने के स्थान पर मात्र 25 फ़ीसदी जुर्माने की राशि अदा करनी पड़ेगी। परिवहन मंत्रालय द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है। बिना फास्ट टैग के टोल पर यदि यूपीआई से भुगतान होता है। तो मात्र 1.25 की राशि ही काटी जाएगी। अभी टोल राशि का शत-प्रतिशत जुर्माना चुकाना पड़ता था। उदाहरण स्वरुप 100 रूपये यदि टोल चुकाना होता था, फास्ट टैग नहीं होने पर 200 रूपये लगते थे। अब मात्र 125 रुपए लगेंगे।

उत्तर बंगाल और सिक्किम में भारी बारिश से तबाही

14 की मौत, पुल बहा, कई रास्ते बंद

कोलकाता

उत्तर बंगाल और सिक्किम में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। दार्जिलिंग और कालिम्पोंग जिलों में भूस्खलन और बाढ़ से अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है। मृतकों में सबसे ज्यादा 5 मिरिक से हैं, जबकि 4 लोग जोरबंगला, शुखियापोखरी से 2, दार्जीलिंग सदर और पुल बाजार से 1-1 व्यक्ति शामिल हैं। प्रशासन ने आशंका जताई है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। इस मूसलाधार बारिश सबसे ज्यादा नुकसान दार्जिलिंग, कालिम्पोंग और सिक्किम में हुआ है। मिरिक और सुकिया इलाके में कई जगह भूस्खलन हुआ है। दार्जिलिंग जिले के जसबीर बस्ती क्षेत्र में एक बड़े भूस्खलन में 2 लोगों की मौत हुई।

भूस्खलन से रास्तों में बड़े बड़े पत्थर जमा हुए है उन्हे निकालने का काम चल रहा है। इसी बीच मौसम विभाग ने बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी, कालिम्पोंग और कूचबिहार में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। अलीपुरद्वार में रेड अलर्ट और उत्तर-दक्षिण दिनाजपुर व मालदा में येलो वार्निंग दी गई है। लोगों को पेड़ और बिजली के खंभों के नीचे शरण न लेने और जलाशयों से दूर रहने की सलाह दी गई है। दार्जिलिंग से बीजेपी सांसद राजू बिस्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, दार्जिलिंग और कालिम्पोंग में भारी बारिश से हुई तबाही से बेहद दुखी हूं। जनहानि, संपत्ति का नुकसान और बुनियादी ढांचे को भारी क्षति हुई है। मैं स्थिति की निगरानी कर रहा हूं और संबंधित अधिकारियों से संपर्क में हूं। बीजेपी कार्यकर्ताओं को राहत और बचाव कार्य में जुटने के निर्देश दिए गए हैं। हम हरसंभव मदद करेंगे।दार्जिलिंग और कालिम्पोंग जिलों में भूस्खलन और बाढ़ से अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें एक बच्चा भी शामिल है।

प्रशासन ने आशंका जताई है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। इस मूसलाधार बारिश सबसे ज्यादा नुकसान दार्जिलिंग, कालिम्पोंग और सिक्किम में हुआ है। मिरिक और सुकिया इलाके में कई जगह भूस्खलन हुआ है। दार्जिलिंग जिले के जसबीर बस्ती क्षेत्र में एक बड़े भूस्खलन में 2 लोगों की मौत हुई।

भारी बारिश के कारण बालासन नदी पर दूधिया स्थित लोहे का पुल बह गया, जिससे सिलीगुड़ी और मिरिक का संपर्क टूट गया। पुल के

ध्वस्त होने से वाहन आवागमन पूरी तरह बंद हो गया है। नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे स्थानीय लोग दहशत में हैं। गारिधुरा पुलिस चौकी की टीम मौके पर हालात पर नजर बनाए हुए है।नेशनल हाईवे 717ई पर पेडोंग और रिशिखोला के बीच भूस्खलन से सिलीगुड़ी और सिक्किम को जोड़ने वाला वैकल्पिक मार्ग बंद हो गया है। इसके अलावा हुसैन खोला और एनएच-110 (कर्सियांग के पास) में भी भूस्खलन की खबर है।

रानी दुर्गावती की जयंती: शाह ने कहा-राष्ट्रहित के लिए प्रेरित करती है वीरांगना की जीवनगाथा

नई दिल्ली

आज देश की वीरांगना रानी दुर्गावती की जयंती है। इस मौके पर पूरा देश उन्हे याद कर रहा है। उनकी वीरगाथा की चर्चा चौतरफा है। गृहमंत्री अमित शाह ने उन्हे नमन करते हुए एक्स पर लिखा है कि देश के युवाओं को उनकी जीवन गाथा को पढ़ना चाहिए और राष्ट्रहित का संकल्प लेना चाहिए। न्यायप्रिय शासन, प्रजावत्सलता और मातृभूमि की रक्षा की प्रतीक रानी दुर्गावती जी ने गोंडवाना को नारी शक्ति, राष्ट्रभक्ति और सेवाभाव की प्रेरणा का केंद्र बनाया। रानी दुर्गावती को उनकी जयंती पर नमन करता हूं।

वहीं मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने एक्स पोस्ट में लिखा कि अपनी वीरता, दृढ़ता व साहस से अमर शौर्य गाथा लिखने वाली, नारी शक्ति की अद्वितीय प्रतिमूर्ति, महान वीरांगना रानी दुर्गावती जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन। मातृभूमि व स्वाभिमान की रक्षा के लिए मुगलों के विरुद्ध उनका आर-पार का संघर्ष और बलिदान हमेशा प्रेरणा देता रहेगा।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक्स पोस्ट में लिखा कि अदम्य साहस, पराक्रम और शक्तिशाली नेतृत्व से मुगल शासकों के दांत खट्टे करने वाली महान वीरांगना रानी दुर्गावती की जयंती पर शत-शत् नमन। आपका शौर्य, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक्स पोस्ट में लिखा कि मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाली महान वीरांगना, नारी शक्ति की अद्वितीय प्रतीक रानी दुर्गावती की जयंती पर

कोटि-कोटि नमन। उनका अटूट साहस, त्याग और बलिदान हम सबको राष्ट्र सेवा और धर्म की रक्षा के लिए सदैव प्रेरित करता रहेगा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक्स पोस्ट में लिखा कि बाज बहादुर की सेना को धूल चटाने और मुगलों की सेना को पीछे हटने पर मजबूर कर देने वाली अद्वितीय शौर्य, साहस और पराक्रम की पर्याय, महान वीरांगना रानी दुर्गावती जी की जयंती पर उनके चरणों में कोटि-कोटि नमन करता हूं। जनजातीय गौरव, वीरांगना रानी दुर्गावती ने मातृभूमि के स्वाभिमान एवं स्वतंत्रता की रक्षा के लिए संघर्ष किया। उनका व्यक्तित्व हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। आपकी असाधारण वीरता की गाथाएं अनंत काल तक हम सबको गौरवान्वित करती रहेंगी।

गरबा उत्सव में पहुंचे एलजी पत्नी संग तो दिल्ली सीएम रेखा बोली

डांडिया और गरबा से सजी यह रंगरात्रि दिल्ली की जीवंत संस्कृति का प्रतीक

नई दिल्ली

नवरात्रि पर्व भले ही समाप्त हो चुका है, लेकिन राजधानी दिल्ली अभी भी गरबा और डांडिया के रंग में डूबी हुई नजर आ रही है। दरअसल शनिवार शाम बांसेरा उद्यान में आयोजित रंगारंग रंगरात्रि गरबा उत्सव में उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शिरकत की। इस अवसर पर सीएम रेखा गुप्ता गरबा के रंग में पूरी तरह रंगी नजर आईं, जबकि उपराज्यपाल ने पत्नी संगीता सक्सेना के साथ देवी दुर्गा की पूजा-अर्चना की और डांडिया कार्यक्रम में हिस्सा लिया। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के अधिकारियों और कई गणमान्य अतिथियों की मौजूदगी में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल दंपती ने मंच पर प्रतिभागियों के साथ गरबा कर उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। इस वअसर पर सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, डांडिया और गरबा से सजी यह रंगरात्रि दिल्ली की जीवंत संस्कृति का प्रतीक है, जो गुजरात की समृद्ध परंपराओं को अपनाकर एकता, सौहार्द और उत्सव का संदेश देती है। सीएम रेखा ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी इस कार्यक्रम की झलकियां साझा करते हुए लिखा कि दिल्ली आज एकता और उत्सव के रंग में रंगी है।

दार्जिलिंग में बारिश और भूस्खलन से हुई मौतों पर पीएम मोदी ने जताया दुख

प्रभावित लोगों को हर संभव मदद देने का दिलाया भरोसा

नई दिल्ली

पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में भारी बारिश और भूस्खलन से हुई जनहानि पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने भरोसा दिया कि केंद्र सरकार प्रभावित लोगों को हर संभव मदद प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। पीएम मोदी ने रविवार को एक्स पर लिखा- दार्जिलिंग में एक पुल दुर्घटना में हुई जान-माल की हानि से दुखी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

उन्होंने आगे लिखा कि भारी बारिश और भूस्खलन के मद्देनजर दार्जिलिंग और आसपास के इलाकों की स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। हम प्रभावित लोगों को हर संभव मदद देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इससे पहले पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और बीजेपी विधायक सुवेंदु अधिकारी ने बंगाल सरकार से बचाव कार्य में तेजी लाने और प्रभावित लोगों तक राहत पहुंचाने का अनुरोध किया था।

उन्होंने एक्स पर लिखा कि उत्तर बंगाल में लगातार भारी बारिश के कारण, दार्जिलिंग, कलिम्पोंग और कुर्सियांग के पहाड़ी इलाके बुरी तरह प्रभावित हैं। भूस्खलन और बाढ़ के कारण सिलीगुड़ी, तराई और डुआर्स के मैदानी इलाकों से संचार और परिवहन संपर्क टूट गया है। सिलीगुड़ी और मिरिक को जोड़ने वाला दुधिया में बालासन नदी पर बना लोहे का पुल ढह गया है। सुवेंदु ने बताया कि हजारों लोग फंसे हैं और जरूरी आपूर्ति व सेवाओं के बिना कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने पोस्ट में लिखा कि मैं पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव से आग्रह करता हूं कि वे तुरंत संसाधन जुटाएं और इन क्षेत्रों में संचार नेटवर्क की शीघ्र बहाली के लिए पर्याप्त व्यवस्था करें। इसके अतिरिक्त, संकटग्रस्त लोगों की सहायता के लिए भोजन, पानी, दवाइयां और अस्थायी आश्रयों समेत राहत सामग्री के वितरण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, ताकि इस संकट को और बढ़ने से रोका जा सके। उत्तर बंगाल में हमारे साथी नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण सर्वोपरि होना चाहिए।

वांगचुक की रिहाई पर आज होगा फैसला, पत्नी ने कहा हिरासत में लेना ही गैरकानूनी

नई दिल्ली

लद्दाख के पर्यावरण कार्यकर्ता और नेता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी मामले में आज यानी सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। इसी दौरान वांगचुक की रिहाई को लेकर भी फैसला होगा। वांगचुक की पत्नी गीजांजलि की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा। इस याचिका की सुनवाई जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एन वी अंजारिया की दो सदस्यीय पीठ करेगी। याचिका में कहा गया है कि सोनम वांगचुक को गैरकानूनी तरीके से हिरासत में रखा गया है और उन्हें किसी वैधानिक प्रक्रिया के तहत गिरफ्तार नहीं किया गया।

बता दें कि 26 सितंबर को सोनम वांगचुक को लद्दाख में हिंसक विरोध प्रदर्शन भड़काने के आरोप में हिरासत में लिया गया। इसके बाद उन्हें राजस्थान की जोधपुर सेंट्रल जेल में भेजा गया। इसके अलावा, प्रशासन ने चार लोगों की मौत के मामले में मजिस्ट्रेट जांच का आदेश दिया है। हालांकि, स्थानीय लोगों ने न्यायिक जांच की मांग उठाई थी।वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने अपनी याचिका में कहा है कि उन्हें एक सप्ताह से अधिक समय से अपने पति के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है। न तो पुलिस प्रशासन और न ही स्थानीय अधिकारी इस बात की स्पष्ट जानकारी दे रहे हैं कि वांगचुक कहां और किस स्थिति में हैं। याचिका में मांग की गई है कि सुप्रीम कोर्ट तुरंत हस्तक्षेप करते हुए सोनम वांगचुक को अदालत के समक्ष पेश करने का निर्देश दे, ताकि उनकी सुरक्षा और कानूनी अधिकार सुनिश्चित किए जा सकें।इससे पहले, बुधवार को गीतांजलि अंगमो ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक भावुक पत्र लिखा और पति की रिहाई की मांग की। उन्होंने अपने पत्र में कहा कि मेरे पति को पिछले 4 साल से लोगों के हितों के लिए काम करने की वजह से बदनाम किया जा रहा है।

बिहार विधानसभा चुनाव का काउंटडाउन शुरू, चुनाव प्रक्रिया 22 नवंबर से पहले हो जाएगी पूरी

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार बोले

पटना

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के यह कहने के साथ ही कि चुनाव की पूरी प्रक्रिया 22 नवंबर से पहले समाप्त हो जाएगी, बिहार चुनाव का काउंटडाउन भी शुरु हो गया। दरअसल वे बिहार चुनाव को लेकर पटना में मीडिया से बात कर रहे थे। यहां रविवार दोपहर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, कि बिहार विधानसभा चुनाव की पूरी प्रक्रिया 22 नवंबर से पहले समाप्त हो जाएगी। इसी के साथ उन्होंने वोटरों से आव्हान करते हुए कहा, कि मैं बिहार के तमाम मतदाताओं से यह आह्वान करता हूं कि जिस तरह से हम अपने त्योहारों को उल्लास और श्रद्धा के साथ मनाते हैं, उसी तरह से लोकतंत्र के चुनाव के इस महापर्व को भी विशेष उत्सव की तरह मनाएं। उन्होंने कहा, कि मतदाता अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें, जिम्मेदारी निभाएं और मतदान जरुर करें।

बूथ लेवल अधिकारियों ने अनुकरणीय कार्य किया

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बिहार में हाल ही में मतदाता सूची शुद्धिकरण का कार्य किया गया। इस दौरान यहां उपस्थित बूथ लेवल अधिकारियों ने न केवल अपने बूथों पर मतदाता सूची के शुद्धिकरण का बेहतर कार्य किया, बल्कि बिहार के 90,217 बूथ लेवल अधिकारियों ने पूरे देश के लिए एक अनुकरणीय कार्य करके दिखाया है। सीईसी ने कहा, कि अब देशभर में किसी भी मतदान केंद्र पर 1200 से ज्यादा मतदाता पंजीकृत नहीं किए जाएंगे। यह नियम संपूर्ण देश में समान रूप से लागू किया जाएगा। ऐसा इसलिए किया जा रहा ताकि मतदान प्रक्रिया सुचारू रुप से और पारदर्शी हो। इसके साथ ही हर बूथ पर वेबकास्टिंग व्यवस्था और बूथ के बाहर मोबाइल फोन रखने की व्यवस्था भी की जाएगी।

बिहार चुनाव में दिखेंगे ये बदलाव

चुनाव आयोग के मुताबिक इस बार बिहार विधानसभा चुनाव से ही पहली बार अब ईवीएम पर चिपके बैलेट पेपर में उम्मीदवारों की रंगीन फोटो नजर आएगी। इसी के साथ उम्मीदवारों के नाम भी मोटे और बड़े अक्षरों में छापे

जाएंगे, ताकि मतदाताओं को उन्हें पहचानने में आसानी हो। एक अन्य महत्वपूर्ण सुधार पोस्टल बैलेट की गिनती से जुड़ा है, अब ईवीएम की अंतिम गिनती से दो राउंड पहले ही पूरी कर ली जाएगी। ऐसा इसलिए किया जा रहा है, ताकि मतगणना प्रक्रिया और चुनाव परिणामों में सटीकता लाई जा सके।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शरद पूर्णिमा पर भगवती लक्ष्मी की पूजा से जीवन होगा धन धान्य से परिपूर्ण

पौराणिक मान्यता है कि शरद पूर्णिमा के दिन माता लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करती है और भक्तिभाव से पूजा अर्चना करने वालो को माता सुख समृद्धि का आशीर्वाद देती है, क्योंकि इस विशेष दिन पर लक्ष्मी, प्रेम और चंद्रमा तीनो की पूर्णता प्रकट होती है। लक्ष्मी की आराधना और रात्रि जागरण से मनोवांछित फल प्राप्त होता है। शरद पूर्णिमा पर मंदिरों में भक्ति भाव से भक्तजनों की भीड़ उमड़ती है। दिप दान का बहुत महत्व है।

(लेखक- कांतिलाल मांडोत)

भारतीय संस्कृति में अनेक पर्व त्यौहार आते है और अपने साथ एक खास इतिहास, विशेष संदेश लेकर सबको जागृत कर जाते है। शरद पूर्णिमा एक महान पर्व है। शरद पूर्णिमा का पवित्र पर्व है। ज्योतिष के अनुसार प्रत्येक पक्ष की पंचमी, दशमी, पूर्णिमा ये पूर्णा तिथि मानी गई है। कोई भी शुभ कार्य इन तिथियों में प्रारंभ किया जाता है तो वह सानन्द पूर्ण होता है। यह ज्योतिष ग्रंथो का विश्वास है। शरद पूर्णिमा पूर्ण तिथि है। सनातन धर्म मे शरद पूर्णिमा का विशिष्ट महत्व है। शरद पूर्णिमा भगवान विष्णु और माँ लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करने के लिए शुभ माना गया है। शरद पूर्णिमा का संदेश है कि हम स्वयं पूजा अर्चना कर अन्य भक्तो को संदेश देकर पुण्य उपार्जन करने चाहिए। हमारे पूर्वजों का उपकार मानना चाहिए कि लुप्त होते पर्वो को तन,मन और धन अर्पित कर जीवित रखा। पूर्णिमा की चांदनी रात का प्रकाश अन्य तिथियों की तुलना में अधिक तेज और शक्तिशाली होता है। चन्द्रमा अपनी पूरी चमक के साथ जगमगाता है और उसकी किरणों से अमृत बरसता है। हर शुक्ल पक्ष की ये तिथियां लोगो का कार्य सफल करने के लिए वरदान साबित होती है। लोग तिथि शुभ तिथियों पर विशेषतौर पर कार्यं करते है। जिससे कार्य जल्दी सफल हो जाये। यह मान्यता है कि शरद पूर्णिमा की रात को चंद्रमा की किरणों से अमृत बरसता है। इसलिए शरद पूर्णिमा के दिन रात में चंद्रमा की रोशनी में खीर रखी जाती है।

इस जागरी रात शरद पूर्णिमा को चंद्रमा सोलह कलाओ से परिपूर्ण होता है। शरण पूर्णिमा के दिन लोग श्रद्धाभिमुख कार्य को किसी ज्योतिषाचार्य की सलाह के बिना ही कार्य को शुरू कर देते है। सारे दिन में किसी भी समय शुभ और मांगलिक कार्य किया जा सकता है। सांस्कृतिक समृद्धि ,भक्ति और कल्याण का संयोजन शरद पूर्णिमा को एक सम्रग पर्व बनाता है। भक्ति, पूजा -अर्चना कर आशीर्वाद लेने की होड़ लगी रहती है। नए पोशाक में सज्ज धज कर पूजा करने के इस रिवाज में युवाओ का क्रेज बढ़ता दिखाई दे रहा है। आध्यात्मिक गहराई और स्वास्थ्य सम्बन्धी महत्व के कारण शरद पूर्णिमा एक विशेष महत्व रखती है। देश -विदेश में इस तिथि का पूर्णरूप से भक्तिमय वातावरण में पूजा अर्चना का चलन बढ़ गया है।

शरद पूर्णिमा की आराधना अनन्त पुण्यों का उत्कृष्ट परिणाम है। मानसून के अंत और शरद ऋतु के प्रारम्भ का प्रतीक पर्व होने के कारण किसान इसे फसल पूर्णिमा के नाम से याद करते है। लक्ष्मी -भगवान कृष्ण और चन्द्रमा की आरोग्यकारी शक्ति से जुड़ी होने की वजह से शरद पूर्णिमा का भारत मे विशेष महत्व है। शिव की पूजा-अर्चना करना शुभ माना जाता है। इस दिन विशेष चीजों के द्वारा शिवलिंग का अभिषेक करने से बिगड़े काम पूरे होते हैं। साथ ही महादेव की कृपा प्राप्त होती है। ऐसे में चलिए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं कि शरद पूर्णिमा के दिन किन चीजों से शिवलिंग का अभिषेक करना शुभ माना जाता है।

जीवन मे सुख शांति के लिए शरद पूर्णिमा के दिन शिवलिंग के उपर बेलपत्र और जलाभिषेक करके भक्तजन भगवान शिव का आशीर्वाद लेते है।

शरद पूर्णिमा के दिन सुबह स्नान करने के बाद जल से शिवलिंग का अभिषेक करें। इसके बाद केसर अर्पित करें। महादेव के मंत्रों का जप करें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस उपाय को करने से व्यक्ति के मान-सम्मान में वृद्धि होती है। साथ ही शिव की कृपा से जीवन के सभी दुख दूर होते हैं।

पौराणिक मान्यता है कि शरद पूर्णिमा के दिन माता लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करती है और भक्तिभाव से पूजा अर्चना करने वालो को माता सुख समृद्धि का आशीर्वाद देती है, क्योंकि इस विशेष दिन पर लक्ष्मी, प्रेम और चंद्रमा तीनो की पूर्णता प्रकट होती है। लक्ष्मी की आराधना और रात्रि जागरण से मनोवांछित फल प्राप्त होता है। शरद पूर्णिमा पर मंदिरों में भक्ति भाव से भक्तजनों की भीड़ उमड़ती है। दिप दान का बहुत महत्व है। सनातन संस्कृति की मान्यता है कि शरद पूर्णिमा की किरणें मानव शरीर पर पड़ना अधिक शुभ माना गया है। इसकी विशेषता यह है कि इसकी पूजा शीघ्र फलदायक है। व्रत रहकर भक्तजन महादेव के मंदिर में जलाभिषेक और बेलपत्र अर्पण कर भगवान से परिवार में सुख सम्रद्धि की कामना करते है। यह अनेक जन्मों की

उत्कृष्ट तप की समुज्ज्वल साधना का परिणाम है कि हमे भगवान आराधना करने का मौका मिला है। शरद पूर्णिमा के दिन मन मे पाप के प्रति घृणा, ग्लानि या पश्चाताप होने से सभी पाप धूल जाते है। इसलिए इस दिन पाप की शिवलिंग के समक्ष घृणा और आलोचना करनी चाहिए। क्योंकि प्रायश्चित लेने से वे पाप नष्ट हो जाते है। जीवन मे पाप ,चोरी, हत्या या छोटे से छोटा अपराध भी मनुष्य के अंतः करण को कचोटता रहता है,उसे चैन नही होने देता। इसलिए कोई भी पाप इस पवित्र तिथि पर भगवान के समक्ष खोल देना ही अपने पापों को कम करने की सरल तरकीब है। चमकदार और दोषरहित पूर्णिमा परकृष्ण और गोपियों के बीच दिव्य नृत्य हुआ था। इसलिए यह शरद पूर्णिमा विश्व मे अलौकिक मानी गई है। हजारो साल पीछे भगवान कृष्ण ने इस रात्रि के निचे नृत्य किया था। इस दिन ईश्वर की उपस्थिति का अनुभव करते है। आकाश साफ होता है और सबसे बड़ा चन्द्रमा होता है। जबकि चंद्रमा सुंदरता का भी प्रतीक है। मन चंद्रमा पूर्ण होता है,तब मन भी पूर्ण होता है।

शरद पूर्णिमा तो एक ऐसा पर्व है जो सबसे पहले अपने आप से मुलाकात कराता है। मनुष्य को आत्मा और परमात्मा की भेदरेखा मिटाने का पर्व है। धर्म परम्परा में ऐसा महान पर्व आता है कि इस दिन मन के मैल मिटाने का अवसर प्राप्त होता है। धर्म परम्परा में विषाद, झगड़े होना स्वाभाविक है। शरद पूर्णिमा मन की गांठो को खोलने का दिन है। इस शरद पूर्णिमा कर पर्व से सम्बंधित विषय पर ध्यान केंद्रित करके यह विचार करना चाहिए कि हमारे पूर्वजों की व्यवस्था और धर्म और पर्व के प्रति कितनी जिज्ञासा रही होगी। ये तिथियां मनुष्य की सोई हुई शक्ति को जागृत करने के लिए ही आती है। ये मोक्षगामी तिथियां है। इसका ततिरष्कार कभी नही करना चाहिए। हमारे धार्मिक जगत में शरद पूर्णिमा वरदानी के रूप में पूजी जाती है। इस दिन आत्म शुद्धि के लिए महत्वपूर्ण है।

शरद पूर्णिमा पर उपवास बहुत लाभकारी माना गया है। तामसिक भोजन जैसे मांस,मदिरा, तम्बाकू कॉफी या चाय का परित्याग कर अपनी आत्मा को शक्तिशाली बनाने के लिए आराधना जरूरी है। शरद पूर्णिमा का उपवास लाभकारी माना गया है।

संपादकीय

ईरान की बढ़ीं मुश्किलें

अमेरिका ईरान के कथित परमाणु कार्यक्रम के कारण पर तत्काल और बेहद कड़े प्रतिबंध लगाने पर आमादा है। अपने सहयोगी देशों के साथ मिल कर ईरान की मुश्कें ऐसे कस देना चाहता है जिससे ईरान निकलने के लिए छटपटाता रह जाए। इस काम में उसे संयुक्त राष्ट्र का भी साथ मिल गया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम के कारण उस पर फिर से तत्काल प्रतिबंध न लगाने के कुछ देशों के आखिरी प्रयास को समय सीमा से एक दिन पहले ही खारिज कर दिया। यह कदम ऐसे समय उठाया है जब पश्चिमी देशों ने दावा किया कि ईरान के साथ हफ्तों की बैठकों के बावजूद कोई ठोस समझौता कर पाने में उन्हें सफलता नहीं मिल पाई है। ईरान को प्रतिबंधों से बचाने का प्रयास उसके निकटतम सहयोगी रूस और चीन कर रहे हैं। दोनों देशों ने ईरान पर फिलहाल प्रतिबंध नहीं लगाने संबंधी प्रस्ताव 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद में शुक्रवार को पेश किया था, जिसे मंजूरी के लिए नौ देशों का समर्थन चाहिए था, जो संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों को शनिवार से प्रभावी होने से रोकने के लिए जरूरी था। संयुक्त राष्ट्र में रूस के उपराजदूत दिमित्री पोल्यान्स्की ने कहा कि हमें उम्मीद थी कि यूरोपीय सहयोगी और अमेरिका ब्लैकमेल की बजाय बातचीत का रास्ता चुनेंगे। ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के प्रतिबंधों की बहाली के बाद विदेश में ईरानी संपत्तियों को फिर से जब्त कर लिया जाएगा, ईरान के साथ हथियारों के सौदे रुक जाएंगे और बैलेस्टिक मिसाइल कार्यक्रम जारी रखने पर ईरान पर दंडात्मक कार्रवाई होगी। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने इस फैसले को 'अनुचित, अन्यायपूर्ण और अवैध' करार दिया है। परमाणु अप्रसार संधि से हटने की चेतावनियों के बावजूद पेजेश्कियान ने कहा है कि ईरान का ऐसा करने का इरादा नहीं है। 2003 में इस संधि को छोड़ने वाला उ. कोरिया परमाणु हथियार बनाने में लगा है। चार देश-चीन, रूस, पाकिस्तान और अल्जीरिया चाहते हैं कि ने ईरान को यूरोपीय देशों और अमेरिका के साथ बातचीत का और समय दिया जाए। ईरान ने कहना शुरू कर दिया है कि अमेरिका ने कूटनीति का पालन नहीं किया लेकिन यूरोपीय देशों ने तो कूटनीति को दफन ही कर दिया। देखना है कि जोर-जबर की चालों से ईरान को भी इराक की तरह बरबाद तो नहीं कर दिया जाएगा।

शरद पूर्णिमा : चंद्र विज्ञान और आस्था का अद्भुत संगम

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

(शरद पूर्णिमा (6 अक्तूबर) पर विशेष)

हर साल आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को 'शरद पूर्णिमा' पर्व मनाया जाता है और इस दिन चंद्रमा अपने पूर्ण स्वरूप में आसमान में चमकता है। इस वर्ष यह पावन तिथि 6 अक्तूबर को दोपहर 12 बजकर 23 मिनट से आरंभ होकर 7 अक्तूबर की सुबह 9 बजकर 16 मिनट तक रहेगी, इसलिए शरद पूर्णिमा 6 अक्तूबर की रात को मनाया जाएगा। शरद पूर्णिमा को चंद्रमा के पूर्ण स्वरूप का उत्सव भी कहा जाता है। इस रात चंद्रमा की रोशनी इतनी तेज होती है कि धरती दूधिया उजास में नहा उठती है। प्राचीन मान्यताओं के अनुसार इस दिन चंद्रमा की किरणें विशेष रूप से औषधीय गुणों से भरपूर होती हैं। यह माना जाता है कि इन किरणों में स्वास्थ्य, सौंदर्य और शक्ति बढ़ाने वाले तत्व होते हैं। वेदों और पुराणों में चंद्रमा को औषधियों का स्वामी माना गया है। गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि 'मैं ही सोम रूप चंद्रमा बनकर समस्त औषधियों को पुष्ट करता हूं।' ज्योतिष शास्त्र के अनुसार वर्षभर में केवल शरद पूर्णिमा के दिन ही चंद्रमा अपनी सभी सोलह कलाओं से पूर्ण होता है। माना जाता है कि प्रत्येक कला मनुष्य के जीवन की किसी न किसी विशेषता का प्रतीक होती है। भगवान श्रीकृष्ण को इन सोलह कलाओं का पूर्ण रूप कहा गया है, इसलिए शरद पूर्णिमा को रास पूर्णिमा भी कहा जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इसी रात श्रीकृष्ण ने अपनी मुरली की मधुर धुन पर ब्रज की गोपियों के साथ यमुना तट पर दिव्य महारास किया था। इसीलिए यह रात प्रेम, आनंद और भक्ति का प्रतीक मानी जाती है। वृंदावन और बृज क्षेत्र में आज भी शरद पूर्णिमा को बहुत उत्साह से मनाया जाता है।

शरद पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा या कौमुदी उत्सव के नाम से भी जाना जाता है। 'कोजागर' का अर्थ है 'कौन जाग रहा है?' मान्यता है कि इस रात मां लक्ष्मी पृथ्वी पर विचरण करती हैं और जो व्यक्ति जागकर सच्चे मन से उनकी पूजा करता है, उस पर लक्ष्मी की कृपा बरसती है। कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय धन की देवी लक्ष्मी का प्रकट होना भी इसी पूर्णिमा की रात हुआ था। इसलिए यह पर्व धन, समृद्धि और शुभता का प्रतीक माना जाता है। इस दिन लोग मां लक्ष्मी के साथ भगवान विष्णु की पूजा करते हैं, साथ ही शिव-पार्वती और कार्तिकेय की आराधना का भी विधान है। इस दिन व्रत रखकर रातभर जागरण और भक्ति करने से व्यक्ति को आर्थिक समृद्धि, मानसिक शांति और शुभ फल प्राप्त होते हैं।

शरद पूर्णिमा की रात का सबसे प्रसिद्ध और सुंदर प्रतीक है खीर की परंपरा। इस रात घरों में खीर बनाकर खुले आकाश के नीचे रखी जाती है ताकि चंद्रमा की चांदनी उसमें पड़े। मान्यता है कि इस रात चंद्रमा की किरणों में अमृत बरसता है और वह अमृत खीर में समा जाता है। सुबह उस खीर को प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है, जो अमृत समान मानी जाती है। ज्योतिषीय दृष्टि से दूध, चावल और चीनी चंद्र ग्रह से जुड़े तत्व हैं। इसीलिए चंद्रमा की रोशनी में रखी गई खीर में उसकी शुभ ऊर्जा और औषधीय गुण समा जाते हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इस परंपरा का गहरा अर्थ है। दूध में लैक्टिक एसिड और खीर में मौजूद चावल के स्टार्च के कारण जब इसे खुली चांदनी में रखा जाता है तो उसमें ऐसे परिवर्तन होते हैं, जो इसे अधिक पौष्टिक बना देते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि चंद्रमा की किरणों में मौजूद अल्ट्रा-वॉयलेट और इंफ्रारेड ऊर्जा दूध में मौजूद सूक्ष्म जीवों की क्रिया को सक्रिय करती है, जिससे वह पाचन में सहायक और स्वास्थ्यवर्धक बन जाता है। इसीलिए शरद पूर्णिमा की रात रखी खीर को स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना गया है।

पौराणिक कथाओं में यह भी उल्लेख मिलता है कि रावण इस रात दर्पण के माध्यम से चंद्रमा की किरणों को अपनी नाभि पर ग्रहण कर युवा शक्ति प्राप्त करता था। यह कथा प्रतीक है कि चंद्रमा की किरणें शरीर में ऊर्जा, शांति और जीवन शक्ति भरने का सामर्थ्य रखती हैं। शरद पूर्णिमा ऋतु परिवर्तन की भी प्रतीक है। यह दिन वर्षा ऋतु की समाप्ति और शीत ऋतु के आगमन की घोषणा करता है। मौसम बदलने के इस समय शरीर को नई जलवायु के अनुकूल बनाना आवश्यक होता है। आयुर्वेद के अनुसार, इस समय वात, पित्त और कफ दोषों में असंतुलन की संभावना बढ़ती है। खीर का मधुर स्वाद और उसका शीतल प्रभाव इन दोषों को संतुलित करने में सहायक होता है। इसलिए यह पर्व केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शरद पूर्णिमा की रात का सौंदर्य अद्भुत होता है। जब पूर्ण चंद्रमा आकाश में अपनी सोलह कलाओं के साथ दमकता है तो उसकी दूधिया रोशनी में पूरी धरती जैसे अमृत में डूब जाती है। इस दृश्य को देखकर मन में स्वतः शांति और प्रसन्नता का संचार होता है। यह रात केवल पूजा या जागरण की नहीं बल्कि आत्म-शुद्धि और ध्यान की भी होती है। यह दिव्य पर्व हमें संदेश देता है कि जैसे चंद्रमा अंधकार को मिटाकर जग को उजाला देता है, वैसे ही हमें अपने भीतर की अज्ञानता को मिटाकर ज्ञान और करुणा का प्रकाश फैलाना चाहिए। यह पर्व केवल बाहरी चंद्रमा का नहीं बल्कि हमारे भीतर के चंद्र स्वरूप (शीतलता, शांति और प्रेम) का भी उत्सव है।

कुछ स्थानों पर शरद पूर्णमा को फसल कटाई के पर्व के रूप में भी मनाया जाता है। किसान इस दिन प्रकृति को धन्यवाद देते हैं क्योंकि शरद ऋतु के आगमन के साथ खेतों में नई ऊर्जा और फसल की खुशबू भर जाती है। इस प्रकार शरद पूर्णिमा धर्म, विज्ञान, आस्था और प्रकृति, चारों का संगम है। यह रात हमें सिखाती है कि जीवन का सच्चा आनंद केवल भौतिक संपत्ति में नहीं बल्कि मन की शांति और संतुलन में है। चंद्रमा की अमृतमयी रोशनी की तरह यदि हमारे विचार और कर्म भी निर्मल हों तो जीवन भी पूर्णिमा की तरह उज्ज्वल बन सकता है। कुल मिलाकर देखा जाए तो शरद पूर्णिमा केवल एक तिथि नहीं बल्कि ब्रह्मांड की ऊर्जा से जुड़ने का एक माध्यम है, जब प्रकृति, मनुष्य और परमात्मा तीनों एक लय में नृत्य करते हैं और इस लय में ही जीवन का सच्चा आनंद छिपा है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

चिंतन मनन

क्या है शुद्ध अहिंसा!

गांधी जी ने अपने जीवन में अहिंसा के विविध प्रयोग किए। वे एक वैज्ञानिक थे। उनका जीवन प्रयोगशाला था। उनका प्रारंभिक और अंतिम साहित्य देखने से यह तथ्य भलीभांति स्पष्ट हो जाता है। बड़े जीव की सुरक्षा के लिए छोटे जीव को मारने में वे पाप बताते थे। खती को हानि पहुंचाने वाले बंदर, हिरण तथा अन्य जहरीले जानवरों को मारने में भी वे पाप मानते थे। यद्यपि आवश्यकतावश उन्होंने जीवों को मारने की इजाजत भी दी, पर उसे शुद्ध अहिंसा कभी नहीं माना। मेरे सामने भी ऐसे प्रश्न आते हैं कि बिल्ली चूहे को मारती है तो उसे बचाना अहिंसा है या नहीं? मैं कहता हूं कि बचाना या बिल्ली को भगाना आपका काम है। मैं इसमें हस्तक्षेप नहीं करता, किंतु इसे शुद्ध अहिंसा नहीं माना जा सकता। शुद्ध अहिंसा वही है जहां हिंसक का दिल बदले। बिल्ली से आप चूहे को बचा सकेंगे, किंतु उसे अहिंसक नहीं बना सकते।

बूचड़खाने में पैसा देकर आप जानवरों को बचा सकते हैं, किंतु ऐसा करके आप कसाई को अहिंसक नहीं बना सकते। मैं किसी को बचाने में अवरोधक नहीं बनता। किंतु मेरा वास यह है कि अहिंसा और धर्म को पैसों से खरीदा नहीं जा सकता। डंडे के बल से भी अहिंसा नहीं हो सकती। वह तो किसी के दिल को बदलने से ही हो सकती है। आज धार्मिकों की स्थिति बड़ी दयनीय है। उन्हें देखकर दिल में दर्द होता है। जैसे-तैसे शोषण से पैसे का अर्जन करते हैं, फिर उससे किसी मंदिर का फर्श और धर्मशाला बनाकर या सदाव्रत खोलकर मन से सोचते हैं कि हमने धर्म किया है। यह कैसी विडंबना है?

धर्म नहीं कहता कि आप पाप से पैसा कमाएं। ऐसे धार्मिक लोग हथियार नहीं रखते, किंतु कलम से न जाने कितनों के गले काट लेते हैं। कोई किसान सेठ के पास बैठा था। सेठ के कान से कलम गिर पड़ी। किसान बोला- आपकी छुरी गिर गई है। सेठ झुंझलाकर बोला- कैसी बात कर रहे हो, हम तो धार्मिक आदमी हैं, फिर छुरी कैसे रख सकते हैं? किसान ने कलम हाथ में लेकर पूछा- यह क्या है?

विचार मंथन

दवाओं की निगरानी के नाम पर अरबों की लूट

(लेखक- सनत जैन)

- नेता अधिकारी और डॉक्टर लूट में शामिल

हाल ही में मध्य प्रदेश में करीब एक दर्जन बच्चों की मौत कफ सिरप के कारण हुई है। ये मौतें एक दिन में हुई हों, ऐसा नहीं है। कई दिनों से बच्चों की मौतें हो रहीं थीं। सरकार और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी चुप्पी साधकर बैठे रहे, जिसके कारण अकेले मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में 12 बच्चों की मौत हो गई। इनमें से 11 बच्चे तो एक ही तहसील के थे। कलेक्टर, एसडीएम सरकार का स्वास्थ्य विभाग चुपचाप बैठा रहा। जब मीडिया में यह मामला उभरकर सामने आया। उसके बाद भी सरकार और उसके अधिकारी कछुए की चाल से चलते हुए सफाई देने का काम कर रहे थे। मध्य प्रदेश सरकार को कफ सिरप को प्रतिबंधित करने में एक हफ्ते से ज्यादा का समय लग गया। यदि इतना बवाल मीडिया मे नहीं हुआ होता, विपक्ष सक्रिय नहीं हुआ होता, तो सरकार भी सक्रिय नहीं होती। केंद्र सरकार और राज्य सरकारें दवा के निर्माण, मूल्य नियंत्रण, गुणवत्ता के साथ ही दवा कारोबार पर नियंत्रण रखने को लेकर जिम्मेदार हैं। पिछले कुछ वर्षों से यह विभाग पूरी तरह से कोमा मे चला गया है। बात केंद्र सरकार से शुरू करते हैं। दवा कंपनियों द्वारा मूल्य नियंत्रण और दवा उत्पादन को लेकर सरकार के मंत्रियों और सत्तारुढ़ राजनीतिक दल को करोड़ों रुपए का चंदा देकर दवा के मूल्य निर्धारित कराती हैं। चुनावी चंदे के रूप में इलेक्टोरल बांड के माध्यम से दवा कंपनियों द्वारा करोड़ों रुपए का चंदा दिए जाने की बात पहले ही उजागर हो चुकी है। इसके अलावा राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग मे कार्यरत अधिकारी और कर्मचारी अपने-अपने राज्यों में दवाओं के कारोबार को नियंत्रित करने के लिए जिम्मेदार हैं। पिछले एक दशक से केंद्र एवं राज्य सरकारों के स्वास्थ्य विभागों की हालत बेहद खस्ता है। जनसंख्या बढ़ने, अस्पताल बढ़ने, केमिस्टों की संख्या बढ़ने के साथ ही दवा निर्माताओं की संख्या कई गुना बढ़ गई है। केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा इस कारोबार को नियंत्रित करने के लिए तथा गुणवत्ता बनाए रखने, लोगों, के जीवन को सुरक्षित करने के लिए जो कार्य करना चाहिए था, वह नहीं किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग में नई नियुक्तियां नहीं हो रही हैं। जो अधिकारी और कर्मचारी सेवानिवृत हो गए हैं, उनके पद रिक्त पड़े हुए हैं। दवाइयों की जांच का जिम्मा इंस्पेक्टर और ड्रग कंट्रोलर का है। जो काम स्वास्थ्य विभाग को करना चाहिए, वह नहीं हो रहा है। ड्रग इंस्पेक्टर्स की संख्या लगातार घटती चली जा रही है। जब भी कोई घटना होती है उसके बाद केंद्र सरकार और राज्य सरकारें बड़े-बड़े दावे जरूर करती हैं, लेकिन दावों का हकीकत से कोई लेना-देना नहीं होता है। हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने प्रेस रिलीज करके अपना पल्ला, यह कहते हुए झाड़ लिया, मध्य प्रदेश सरकार ने समय पर जांच के लिए लैबोरेट्री सिरप नहीं भेजा। मध्य प्रदेश सरकार को 10 से 15 दिन का समय केवल सैंपल भेजने मे लग गया। तमिलनाडु में भी इसी तरह बच्चों के मौत की घटना हुई थी। 3 दिन के अंदर रिपोर्ट आ जाने के बाद भी तमिलनाडु सरकार और केंद्र सरकार द्वारा अन्य राज्यों को सजग नहीं किया गया। 1 महीने से सिरप के कारण बच्चों की मौतें हो रही थीं। यदि समय रहते यह सूचना सभी राज्यों को दे, दी जाती तो सभी राज्यों में कफ सिरप को प्रतिबंधित कर दिया जाता। कई बच्चों की जान बच जाती। प्रशासनिक लापरवाही से बच्चों की मौतें होती रहीं। 2017 में केंद्र सरकार ने नीति बनाई थी। लेबोरेटरी से कोई दवा मानक पर खरा नहीं उतरती है, तो उसे 72 घंटे के अंदर वापस लेने का प्रावधान किया गया था, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। 2023 में डब्लूटीओ ने भी चेतावनी जारी की थी। भारत का सिरप साउथ अफ्रीका भेजा गया था, वहां पर बड़ी संख्या में मौतें हुई थीं। भारत में निर्मित दवाएं विदेश में निर्यात की जा रही हैं, ऐसी स्थिति में इनकी गुणवत्ता की तरफ विशेष ध्यान होना चाहिए। दवाओं में जिस तरीके के नशीले पदार्थों का उपयोग किया जा रहा है उसको लेकर केंद्र एवं राज्य सरकारों को ज्यादा सजगता बरतने की जरूरत थी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। मध्य प्रदेश में पिछले 8 महीने में जांच के दौरान 27 कंपनियों की 76 दवाइयां अमानक पाई गई हैं। इसमें पेरासिटामोल कई तरह के इंजेक्शन, सिरप और कैल्शियम की गोलियां शामिल थीं। इसके बाद भी इन पर दवाई वापस बुलाने के अलावा कोई कार्रवाई नहीं की गई। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की रिपोर्ट भी बताती है, इंदौर, पीथमपुर, देवास, उज्जैन, भोपाल, रतलाम और ग्वालियर की कई दवा कंपनियों की दवाएं अमानक पाई गई हैं। मध्य प्रदेश सरकार के पास पर्याप्त संख्या में ड्रग इंस्पेक्टर ही नहीं हैं। जो हैं, वे जांच के नाम पर केमिस्ट और दवा निर्माताओं से वसूली में लगे रहते हैं। अमानक दवाइयां पाए जाने के बाद भी केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा कोई दंडात्मक कार्यवाही निर्माताओं पर नहीं की जाती है। आर्थिक दंड और ब्लैक लिस्ट करके मामले को कुछ समय के लिए दबा दिया जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीएल एग्रो का पांच वर्षों में 3,000 करोड़ के निवेश का लक्ष्य

नई दिल्ली उत्तर प्रदेश स्थित बीएल एग्रो अपने कारोबार को बढ़ाने के` लिए अगले पांच वर्षों में अपने राजस्व को 2.5 गुना बढ़ाकर 20,000 करोड़ रुपये प्राप्त करने का लक्ष्य हासिल करने के लिए 3,000 करोड़ रुपये का निवेश करने पर` विचार कर रही है। कंपनी मुख्य रूप से खाद्य तेल और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ का` विक्रय करती है। बीएल एग्रो के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि कंपनी चावल और दूध जैसी विभिन्न खाद्य श्रेणियों में विस्तार योजनाओं के वित्तपोषण के लिए ये निवेश करेगी। बीएल एग्रो समूह बैल कोल्हू ब्रांड के तहत खाद्य तेल और नरिश तथा अन्य ब्रांडों के तहत प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ बेचती है। उसने वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 8,000 करोड़ रुपये का कारोबार किया। बरेली स्थित इस पारिवारिक स्वामित्व वाले समूह की अगले पांच वर्षों में कई परियोजनाओं के विस्तार पर लगभग 3,000 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना है, जिसमें दूध के साथ ही चावल का व्यवसाय भी शामिल है।

रेनॉल्ट लागत कम करने 3,000 कर्मचारियों की छंटनी करेगी

कंपनी ने हाल ही में लगभग 13 अरब डॉलर) का भारी नुकसान दर्ज किया

नई दिल्ली फ्रांसीसी ऑटोमोबाइल कंपनी रेनॉल्ट अपनी लागत में कटौती करने के लिए बड़े स्तर पर कदम उठाने जा रही है। कंपनी ने सपोर्ट फंक्शन्स जैसे मानव संसाधन, वित्त और मार्केटिंग में लगभग 15 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बनाई है। इससे करीब 3,000 नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं। यह छंटनी मुख्य रूप से कंपनी के मुख्यालय बूलोन-बिलांकॉर्ट (पेरिस के पास) और दुनिया भर के अन्य कार्यालयों में की जाएगी। इस योजना को रेनॉल्ट ने ÷एरो÷ नाम दिया है। 2024 के अंत तक रेनॉल्ट के पास कुल 98,636 कर्मचारी थे। कंपनी ने हाल ही में 11.2 अरब यूरो (लगभग 13 अरब डॉलर) का भारी नुकसान दर्ज किया है, जिसमें से 9.3 अरब यूरो का हिस्सा उनके पार्टनर निसान के राइट-डाउन से जुड़ा है। इसके बावजूद, रेनॉल्ट की आय पिछले वर्ष की तुलना में काफी कम हो गई है, जो केवल 461 मिलियन यूरो रही। वैन मार्केट की कमजोरी, इलेक्ट्रिक वाहनों की महंगी उत्पादन लागत और चीनी कार कंपनियों की कड़ी प्रतिस्पर्धा ने कंपनी पर अतिरिक्त दबाव डाला है। जुलाई में नई नियुक्ति फ्रांस्वा प्रोवोस्ट ने सीईओ के रूप में कार्यभार संभाला है। उनके सामने कंपनी की माली हालत सुधारने और क्रेडिट रेटिंग को निवेश योग्य स्तर तक लाने की चुनौती है। साथ ही, उन्हें अमेरिकी टैरिफ और चीनी प्रतिस्पर्धा से निपटने के लिए भी रणनीति बनानी होगी। इस वजह से कंपनी तेजी से खर्च कम करने और संचालन को बेहतर बनाने के उपाय कर रही है। हालांकि अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है, लेकिन यह योजना साल के अंत तक फाइनल हो सकती है।

सुरक्षा मानकों को सिट्रोन सी 3 एयरक्रॉस ने नई ऊंचाई पर पहुंचाया

नई दिल्ली भारत में सुरक्षा मानकों को सिट्रोन सी 3 एयरक्रॉस ने नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। इस एसयूवी अब भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम से 5-स्टार रेटिंग हासिल की है। यह रेटिंग इसके 5-सीटर वेरिएंट को मिली है। एडल्ट ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन में इसे 32 में से 27.05 अंक और चाइल्ड ऑक्यूपेंट प्रोटेक्शन में 49 में से 40 अंक मिले हैं। हालांकि बच्चों की सुरक्षा के लिए इसे 4-स्टार रेटिंग दी गई है। डाइनामिक टेस्टिंग में एसयूवी ने बच्चों की सुरक्षा के लिए 24 में से पूरे 24 अंक हासिल किए। ब्रिटेक्स रोमर आई-साइज चाइल्ड सीट्स और सीआरएस इंस्टॉलेशन के चलते इसे 12 में से पूरे अंक मिले। यह साबित करता है कि एसयूवी बच्चों की सुरक्षा में पूरी तरह सक्षम है। सी3 एयरक्रॉस की मजबूती का राज इसका हाई-स्ट्रेंथ, एडवांस्ड और अल्ट्रा-हाई-स्ट्रेंथ स्टील स्ट्रक्चर है। इससे टक्कर की स्थिति में केबिन की सुरक्षा बेहतर रहती है। एसयूवी के सभी वेरिएंट्स में 6 एयरबैग्स, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, इसोफिक्स चाइल्ड सीट एंकर, सीट बेल्ट रिमाइंडर, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम और हिल-होल्ड असिस्ट जैसी सुविधाएं स्टैंडर्ड हैं। सुरक्षा के अलावा इसमें एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप्स, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, रियर एसी वेंट्स और फ्लेक्सिबल सीटिंग जैसे फीचर्स भी हैं। यह एसयूवी 1.2 लीटर टर्बो पेट्रोल और 1.2 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन में आती है, दोनों मैनुअल और ऑटोमैटिक गियरबॉक्स विकल्पों के साथ। हालांकि यह रेटिंग फिलहाल केवल 5-सीटर वेरिएंट पर लागू होती है। इसके बावजूद, यह एसयूवी अब भारत एनकैप द्वारा टेस्ट की गई सबसे सुरक्षित मिड-साइज़ एसयूवी में शामिल हो गई है।

भारत-यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौता वार्ता शुरू

निवेश और व्यापार में उम्मीदें बढ़ीं 'मेक इन इंडिया' की ओर झुका यूरोप

नई दिल्ली

6 अक्टूबर से ब्रसेल्स में भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की 14वीं दौर की वार्ता शुरू हो रही है। इस समझौते के जरिए दोनों पक्ष व्यापार, निवेश और रोजगार के नए अवसरों को साकार करना चाहते हैं। यूरोपीय कंपनियों ने भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और 'मेक इन इंडिया' पहल में गहरी रुचि दिखाई है। यूरोपीय बिजनेस फेडरेशन इन इंडिया (फेबी) के सर्वे के मुताबिक भारत में 6,000 से अधिक यूरोपीय कंपनियां सक्रिय हैं, जो करीब 30 लाख लोगों को रोजगार देती हैं। ये कंपनियां न केवल निवेश कर रही हैं, बल्कि भारत में निर्माण, नवाचार और निर्यात को भी बढ़ावा दे रही हैं, जो 'मेक इन इंडिया' मिशन को गति दे रहा है। यूरोपीय संघ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। दोनों के बीच वस्तुओं का व्यापार 120 अरब यूरो तक पहुंच चुका है, जो अमेरिका और चीन से अधिक है।

सेवाओं सहित यह व्यापार 180 अरब यूरो तक पहुंच गया है। इसके बावजूद व्यापार और निवेश

की बड़ी संभावनाएं बाकी हैं, जिन्हें एफटीए के माध्यम से खोला जा सकता है। वार्ता में निवेश सुरक्षा समझौते पर भी चर्चा हो रही है, जिससे निवेशकों के लिए स्थिर और पारदर्शी वातावरण सुनिश्चित होगा। साथ ही ईयू भारत रणनीतिक एजेंडा भी पेश किया गया है, जिसमें प्रौद्योगिकी, रक्षा, सतत विकास और गतिशीलता जैसी महत्वपूर्ण पहलें शामिल हैं। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समझौते को 2025 के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है।

तिमाही नतीजे आईपीओ और वैश्विक संकेत तय करेंगे बाजार की दिशा

अमेरिकी एफओएमसी मिनट्स और शटडाउन जैसे अहम कारकों पर रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई भारतीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह कई अहम घटनाओं से भरपूर रहने वाला है। निवेशकों की नजर मुख्य रूप से दूसरी तिमाही के नतीजों, नए आईपीओ और वैश्विक आर्थिक संकेतों पर टिकी रहेगी। 9 अक्टूबर को आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और टाटा एलेक्सी अपने जुलाई-सितंबर तिमाही के नतीजे घोषित करेंगी। टीएसीएस के नतीजे आईटी सेक्टर की दिशा निर्धारित कर सकते हैं, खासकर जब सेक्टर में धीमी ग्रोथ को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। इस सप्ताह का एक और बड़ा आकर्षण होगा टाटा कैं पिटल का आईपीओ, जिससे निवेशकों के बीच खासा उत्साह है। साथ ही एलजी इलेक्ट्रॉ निक्स के संभावित आईपीओ से जुड़ी किसी भी अपडेट पर भी बाजार की नजर रहेगी। अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर यूएस फेडरल` रिजर्व की बैठक के एफओएमसी मिनट्स जारी किए जाएंगे, जो यह स्पष्ट करेंगे कि अमेरिका में ब्याज दरें आगे क्या रुख लेंगी। इसके साथ ही, अमेरिकी सरकार के शटडाउन की स्थिति भी वैश्विक निवेश धारणा को प्रभावित कर सकती है। पिछले सप्ताह बाजार में मजबूती देखी गई। इस सप्ताह बाजार में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। निवेशकों को सतर्कता और विवेकपूर्ण निर्णय की आवश्यकता होगी।

अमेरिकी सरकार के शटडाउन के बीच बिटकॉइन की बड़ी छलांग, कीमत 1.25 लाख डॉलर के पार

नई दिल्ली

अमेरिकी सरकार के शटडाउन के बीच, बिटकॉइन की कीमतों में एक बार फिर से तेजी देखी जा रही है और कीमत 1,25,000 डॉलर के पार निकल गई है। बिटकॉइन की कीमतों में बीते आठ सत्रों से बढ़त देखी जा रही है। इसकी वजह बिटकॉइन एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड में इनफ्लो आना है। इससे पहले बिटकॉइन का उच्चतम स्तर 1,24,480 डॉलर था, जो कि अगस्त के मध्य में रिकॉर्ड किया गया है।

बिटकॉइन में तेजी की वजह अमेरिकी सरकार की ओर से क्रिप्टोकरेंसी समर्थित नीतियां, डॉलर का अन्य विदेशी मुद्राओं के खिलाफ कमजोर प्रदर्शन और अमेरिकी सरकार के शटडाउन के कारण अस्थिरता का बढ़ना है, जिससे अमेरिका में सरकारी कामकाज ठप हो गया है। विश्लेषकों का कहना है कि यह तेजी का रुझान बिटकॉइन के हाफिंग इवेंट के बाद के प्रदर्शन के अनुरूप है।

आमतौर पर, हाफिंग इवेंट को बिटकॉइन के लिए दीर्घकालिक मूल्य वृद्धि को गति देने वाले उत्प्रेरक के रूप में देखा जाता है, क्योंकि इसमें क्रिप्टोकरेंसी की वॉल्यूम में आधी कटौती की जाती है। डिसइन्फो लैब के अनुसार, अमेरिका पाकिस्तान के साथ संबंध मजबूत कर रहा है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के परिवार के वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल और पाकिस्तान में सैन्य-संबंधित फंडों से जुड़े एक क्रिप्टोकरेंसी समझौते पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। एक ब्रिटिश-पाकिस्तानी उद्यमी बिलाल बिन साकिब जो अब पाकिस्तान की हाल ही में बनाई गए क्रिप्टो काउंसिल (पीसीसी) के सीईओ और ब्लॉकचेन पर प्रधानमंत्री के विशेष सहायक के रूप में कार्यरत हैं, डब्ल्यूएलएफ के सलाहकार भी हैं, जिससे हितों के टकराव की चिंताएं बढ़ रही हैं। जून 2025 में, पाकिस्तान ने ब्लॉकचेन इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करने और डीसेंट्रलाइज्ड फाइनेंस (डीईएफआई) को बढ़ावा देने के लिए ट्रंप समर्थित क्रिप्टो वेंचर वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल (डब्ल्यूएलएफ) और बिनेंस के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे।

अक्टूबर में दो दिन में एफपीआई ने बेची 3,842 करोड़ की इक्विटी

मुंबई अक्टूबर 2025 की शुरुआत विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए मंदी भरी रही। महीने के पहले दो कारोबारी दिनों में एफपीआई ने भारतीय इक्विटी बाजार से 3,842 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के चलते बाजार बंद रहा, जिससे अब तक केवल दो दिन ही कारोबार हो पाया है। वित्त मंत्रालय और एक्सचेंज आंकड़ों के अनुसार एफपीआई की कुल शुद्ध निकासी 1,262 करोड़ रुपये रही, जिसमें अन्य पूंजी बाजार निवेश शामिल हैं। एफपीआई द्वारा इतनी बड़ी बिकवाली से बाजार में सतर्कता बढ़ गई है। विशेषज्ञ मानते हैं कि वैश्विक ब्याज दरें, डॉलर की मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जैसे कारक निवेशकों की धारणा को प्रभावित कर रहे हैं। यदि यह रुझान जारी रहा, तो निकट भविष्य में बाजार पर दबाव बढ़ सकता है।

दिल्ली में चांदी की कीमत स्थिर, निवेशकों की बढ़ी दिलचस्पी

नई दिल्ली दिल्ली में रे विवार को चांदी की कीमतों में स्थिरता देखी गई है। बाजार में चांदी 155 रुपए प्रति ग्राम, 15,500 रुपए प्रति 100 ग्राम और 1,55,000 रुपए प्रति किलोग्राम के भाव पर बिक रही है। यह दरें पिछले दिन के मुकाबले समान हैं। हाल के दिनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद भारत में चांदी की मांग में कमी नहीं आई है। चांदी न सिर्फ गहनों में बल्कि निवेश और सजावटी उपयोग के लिए भी काफी लोकप्रिय हो रही है। त्योहारों और शादी के सीजन में इसकी मांग में और भी तेजी आती है। महिलाएं अब चांदी के गहनों जैसे पायल, झुमके और कड़े में ज्यादा रुचि दिखा रही हैं। वहीं निवेशक इसे गोल्ड के बाद दूसरा सबसे सुरक्षित मेटल मानते हैं।

ईडी ने ओजोन अर्बाना पर की कार्रवाई, 423 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

ग्राहकों के साथ की गई धोखाधड़ी के कई मामलों की जांच के बाद हुई कार्रवाई

बेंगलुरु

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बेंगलुरु में मेसर्स ओजोन अर्बाना इंफ्रा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड और उसके प्रमोटर एस वासुदेवन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत 423.38 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियां कुर्क की गई हैं।

यह कार्रवाई कंपनी द्वारा ग्राहकों के साथ की गई धोखाधड़ी के कई मामलों की जांच के बाद हुई है। कंपनी पर आरोप है कि उसने ग्राहकों को समय पर फ्लैट नहीं दिए और निर्माण कार्य में देरी की। ग्राहकों से अग्रिम भुगतान लेकर न तो फ्लैट दिए गए और न ही उनकी राशि वापस की गई। इसके साथ ही कंपनी ने परियोजना पूरा होने तक ईएमआई भुगतान करने का वादा किया था, जिसे पूरा नहीं किया गया। ईडी की जांच में पता चला कि कंपनी और प्रमोटर वासुदेवन ने मिलकर कुल 927.22 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की है।

यह रकम विभिन्न समूह कंपनियों और संबद्ध व्यक्तियों के माध्यम से बेईमानी से रोक रखी गई है। ईडी ने ओजोन अर्बाना की कई परियोजनाओं में बिना बिके फ्लैट, व्यावसायिक भूमि और प्रमोटर व उनकी पत्नी की निजी संपत्तियां कुर्क की हैं। इनमें एवेन्यू के 92 फ्लैट, एक्रा 2 के 13 फ्लैट और मुदिगेरे के कन्नहल्ली गांव में 179 एकड़ भूमि शामिल है। कुल संपत्तियों का मूल्य 423.38 करोड़ रुपए बताया गया है।

पीएमएलए के तहत इस मामले में जांच जारी है।

साथ ही सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर सीबीआई ने भी इस मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राहकों के हितों की रक्षा के लिए यह कार्रवाई अहम कदम माना जा रहा है।

पहली छमाही में 5जी हैंडसेट की हिस्सेदारी बढ़कर 87 प्रतिशत हुई

नई दिल्ली भारत के स्मार्टफोन शिपमेंट में साल 2025 की पहली छमाही में 5जी हैंडसेट की हिस्सेदारी बढ़कर 87 प्रतिशत हो गई है। भारत अब कुल स्मार्टफोन शिपमेंट में 5जी हिस्सेदारी के मामले में वैश्विक स्तर पर 14वें स्थान पर है। 2023 की पहली छमाही में भारतीय बाजार में स्मार्टफोन शिपमेंट की हिस्सेदारी 47 प्रतिशत थी और देश वैश्विक स्तर पर 40वें स्थान पर था। काउंटरपॉइंट रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, 5जी स्मार्टफोन का चलन तेजी से बढ़ रहा है और 2025 की पहली छमाही में कुल वैश्विक स्मार्टफोन शिपमेंट में इनकी हिस्सेदारी 71 प्रतिशत थी। विकसित और उभरते दोनों ही बाजारों में 5जी स्मार्टफोन की पहुंच तेजी से बढ़ी है, जिसका मुख्य कारण बढ़ती उपभोक्ता मांग, अफोर्डेबल डिवाइस और तेज 5जी नेटवर्क रोलआउट हैं। हालांकि, वेनेजुएला और इक्वाडोर जैसे कुछ देशों में स्मार्टफोन शिपमेंट में 5जी की हिस्सेदारी में बहुत धीमी वृद्धि देखी जा रही है। 2025 की पहली छमाही में, क्रम में नीचे के 10 देशों में 5जी की औसत हिस्सेदारी केवल 15 प्रतिशत थी और एशिया वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा 5जी स्मार्टफोन बाजार था। हालांकि, पाकिस्तान और बांग्लादेश सबसे कम 5जी अपनाने वाले देशों में शामिल थे। 2025 की पहली छमाही में एशिया में स्मार्टफोन शिपमेंट के मामले में पाकिस्तान सातवां सबसे बड़ा बाजार था, लेकिन उसने अभी तक 5त सेवाएं शुरू नहीं की हैं।

प्रॉपर्टी बेच कर निवेशकों का पैसा लौटाना चाहता है सहारा ग्रुप

सहारा इंडिया कमर्शियल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एसआईसीसीएल) ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की

मुंबई

सहारा समूह अब अपनी कुछ बड़ी संपत्तियों को अडानी प्रॉपर्टीज को बेचकर निवेशकों का पैसा वापस करना चाहता है। इस सौदे को पूरा करने की अनुमति देने के लिए सहारा समूह ने सुप्रीम कोर्ट में आवेदन किया है।

अगर सुप्रीम कोर्ट इस सौदे को मंजूरी दे देता है तो वर्षों से हजारों निवेशकों का पैसा वापस मिलने का रास्ते ता खुल सकता है। सहारा समूह की कंपनी, सहारा इंडिया कमर्शियल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर जिन संपत्तियों को बेचने की अनुमति मांगी है उनमें महाराष्ट्र की एंबी वैली और लखनऊ का सहारा शहर भी शामिल हैं।

याचिका पर संभवतः 14 अक्टूबर को सुनवाई होगी। अधिवक्ता के माध्यम से दायर याचिका में सहारा समूह से संबंधित विभिन्न संपत्तियों को अडानी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को 6 सितंबर 2025 की 'टर्म शीट' में निर्धारित नियमों एवं शर्तों पर बेचने की बात कही गई है। याचिका में कहा गया कि इस न्यायालय द्वारा समय-समय पर पारित विभिन्न आदेशों के अनुसरण और अनुमति से एसआईसीसीएल और सहारा समूह बड़ी मुश्किल से अपनी कुछ चल एवं अचल संपत्तियों को बेचने में सक्षम हुए हैं।

इन संपत्तियों को बेचने से मिलने वाली राशि को बाजार नियामक सेबी-सहारा 'रिफंड' खाते में जमा कर दिया गया है। याचिका में कहा गया है कि कुल 24,030 करोड़ रुपये की मूल राशि में से सहारा समूह ने अपनी चल एवं अचल संपत्तियों की बिक्री/परिसमापन के माध्यम से लगभग 16,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं और उसे सेबी-सहारा 'रिफंड' खाते में जमा कर दिया है। समूह ने कोर्ट से अनुरोध किया है कि 6 सितंबर 2025 की टर्म शीट के तहत एसआईसीसीएल और अडानी प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड के बीच हुई डील, जिसमें 88 संपत्तियों की बिक्री का प्रस्ताव है, को मंजूरी दी जाए। कंपनी ने कहा कि यह प्रस्तावित लेन-देन न केवल सहारा समूह की संपत्तियों से महत्वपूर्ण मूल्य निकालने में मदद करेगा, बल्कि कोर्ट के आदेशों के अनुसार उसकी वित्तीय देनदारियाँ पूरी करने में भी सहायक होगा।

तेल-तिलहन बाजार में भारी गिरावट, मांग कमजोर

कमजोर मांग, ऊंचे थोक भाव और खराब कारोबारी धारणा के कारण बाजार दबाव में रहा

नई दिल्ली

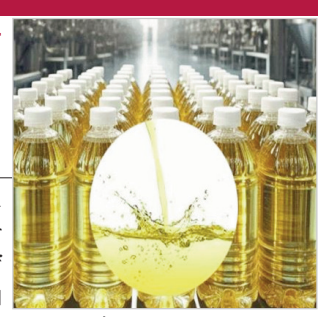

बीते सप्ताह भारत के तेल-तिलहन बाजार में त्योहारों के मौसम के बावजूद कीमतों में व्यापक गिरावट देखी गई। सरसों, मूंगफली, सोयाबीन, कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन और बिनौला तेल के थोक भाव गिरावट के साथ बंद हुए।

विशेषज्ञों के अनुसार, कमजोर मांग, ऊंचे थोक भाव और खराब कारोबारी धारणा के कारण बाजार दबाव में रहा। मलेशिया एक्सचेंज में पाम तेल की कीमतें सट्टेबाजी के चलते मजबूती दिखा रही हैं, लेकिन भारत में ठंड के मौसम के कारण पाम तेल की मांग सामान्यतः घटती है, क्योंकि यह ठंड में जम जाता है। इस वजह से घरेलू बाजार में पाम और पामोलीन तेल के दाम दबाव में आए। वहीं सरसों तेल की कीमतें भी आयातित रिफाइंड तेलों की तुलना में अधिक होने से उसकी मांग कमजोर रही।

सरकार ने आयात शुल्क मूल्य में भी वृद्धि की है। सीपीओ के आयात शुल्क में 41, पामोलीन में 107 और सोयाबीन डीगम तेल में 21 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। इसके अलावा, आगामी रबी तिलहन फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में भी वृद्धि की गई है।

डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी के चलते आयात महंगा हुआ है, जिससे बाजार में अतिरिक्त दबाव बना। सरसों की फसल किसानों और स्टॉकिस्टों के पास होने के कारण बिकवाली तेज हुई, जिससे दामों में गिरावट आई।

बीते दो महीनों में सरसों तेल के थोक दाम लगभग 20-22 रुपए प्रति किलो तक टूट चुके हैं। हालांकि, खुदरा बाजार में इस गिरावट का कोई खास असर नहीं दिखा है, जो बाजार पारदर्शिता के लिए चिंता का विषय है। सोयाबीन, मूंगफली और बिनौला तेलों के दाम भी कमजोर मांग और निर्यात में कमी के कारण नीचे आए। इस तरह तेल-तिलहन बाजार फिलहाल अस्थिर बना हुआ है, जबकि त्योहारों के बाद मांग में सुधार की उम्मीद है।

भारतीय कार बाजार में कई नई कारें और एसयूवी देंगी दस्तक

नई दिल्ली

त्यौहारी मौसम को देखते हुए अक्टूबर 2025 में कई नई कारें और एसयूवी भारतीय सड़कों पर दस्तक देने वाली हैं। इस लिस्ट में महिंद्रा, निसान, स्कोडा, सिट्रोन और मिनी जैसी ब्रांड्स शामिल हैं। महिंद्रा अपने लोकप्रिय बोलेरो और बोलेरो नियो को मॉडल ईयर अपडेट के साथ पेश करने वाली है। जानकारी के अनुसार इन एसयूवी में नई ग्रिल, नया एयर डैम, नए एलॉय व्हील्स, ब्लैक और ब्राउन इंटीरियर्स, फॉग लाइट और 10.25-इंच टचस्क्रीन जैसे फीचर्स मिलेंगे। बोलेरो के समान ही बोलेरो नियो में भी अपडेटेड फीचर्स की उम्मीद है। इसके अलावा, महिंद्रा थार 3-डोर का रिफ्रेश्ड वर्जन लॉन्च होगा। ऑफ-रोडिंग पर फोकस्ड इस एसयूवी में नए ग्रिल, डुअल-टोन बंपर, फ्रंट आर्मरेस्ट, रिवर्स पार्किंग कैमरा और अन्य कई बदलाव शामिल होंगे।

निसान की नई सी-एसयूवी अगले साल की शुरुआत में लॉन्च होगी।

यह टेरानो की उत्तराधिकारी होगी और नई पीढ़ी की रेनो डस्टर जैसी खूबियों से लैस होगी। 7 अक्टूबर को इसका अनावरण होगा, और यह मारुति ग्रैंड विटारा, किआ सेल्टोस और हुंडई क्रेटा जैसी कारों को टक्कर देगी। स्कोडा अपनी पॉपुलर ऑक्टेविया आरएस सेडान को भारत में फिर से पेश करेगी।17 अक्टूबर को कीमतों का ऐलान होगा और केवल 100 यूनिट ही देश में आयात होंगी। इसमें 2.0-लीटर, टर्बो-पेट्रोल इंजन और 7-स्पीड डीएसटी ऑटोमैटिक गियरबॉक्स मिलेगा। इसमें 2.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन होगा, जो 300 बीएचपी और 400 एनएम टॉर्क जनरेट करेगा और 0-100 किमी/घंटा की रफ्तार 5.4 सेकंड में पकड़ लेगा। सिट्रोन एयरक्रॉस एक्स में नए फीचर्स, ऑल-एलईडी लाइटिंग, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स और एआई वॉइस असिस्टेंट जैसी खूबियां होंगी।

सेंसेक्स की 10 प्रमख कंपनियों में सात का मार्केट कैप 74,573 करोड़ बढ़ा

एचडीएफसी बैंक को सबसे ज्यादा लाभ हुआ, रिलायंस का मार्केट कैप घटा

नई दिल्ली

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में सात का संयुक्त बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 74,573.63 करोड़ रुपये बढ़ गया। इस दौरान एचडीएफसी बैंक को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को फायदा हुआ, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल और इंफोसिस के मूल्यांकन में गिरावट आई। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 30,106.28 करोड़ रुपये बढ़कर 14,81,889.57 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 20,587.87 करोड़ रुपये बढ़कर 5,72,507.17 करोड़ रुपये हो गया। भारतीय स्टेट बैंक का मूल्यांकन 9,276.77 करोड़ रुपये बढ़कर 8,00,340.70 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 7,859.38 करोड़ रुपये बढ़कर 5,97,806.50 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 19,351.44 करोड़ रुपये घटकर 18,45,084.98 करोड़ रुपये रह गया। भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 12,031.45 करोड़ रुपये घटकर 10,80,891.08 करोड़ रुपये और इंफोसिस का बाजार पूंजीकरण 850.32 करोड़ रुपये घटकर 6,00,954.93 करोड़ रुपये रह गया। देश में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी का स्थान रहा।

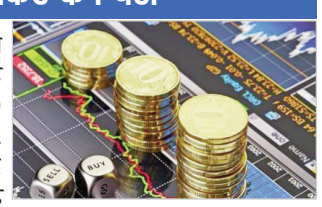

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महिला विश्व कप में भारत और पाकिस्तान की कप्तानों ने नहीं मिलाया हाथ

कोलंबो (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ अपने मैचों में भारत के हाथ न मिलाने के रुख को जारी रखते हुए, कप्तान हरमनप्रीत कौर और फातिमा सना ने रविवार को कोलंबो में महिला विश्व कप 2025 के अपने मुकाबले में टॉस के समय एक-दूसरे से हाथ न मिलाने का रुख अपनाया। रिपोर्ट में पहले बताया था कि आईसीसी मैच अधिकारी मैदान पर किसी भी अवांछित घटना से बचने के लिए मैच के दिन के प्रोटोकॉल के बारे में दोनों टीमों को पहले से ही अलग-अलग जानकारी देने वाले थे।

यह फैसला दोनों क्रिकेट बोडरं के बीच चल रहे तनाव के बीच आया है, जो पुरुष एशिया कप 2025 के दौरान हुए कई विवादों के बाद सामने आया है। इसकी शुरुआत तब हुई जब सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय पुरुष टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप-स्टेज मैच के बाद मैच के बाद हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। इसके बाद पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने प्रसारणकर्ता के साथ मैच के बाद के साक्षात्कार में हिस्सा नहीं लिया, जिसके बाद पीसीबी ने मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट के साथ उनकी बैठक का फुटेज सार्वजनिक रूप से जारी किया।

पाकिस्तान ने उपमहाद्वीपीय टूर्नामेंट में पाइक्रॉफ्ट को हटाने की मांग की थी, लेकिन इस मामले पर उनकी अचानक हुई बैठक - जिसका एक वीडियो सामने आया - के कारण उन्हें टूर्नामेंट अधिकारियों ने आचरण उल्लंघन के लिए आधिकारिक फटकार लगाई। पाकिस्तान ने उपमहाद्वीपीय टूर्नामेंट में उनकी निरंतर भागीदारी के लिए पाइक्रॉफ्ट को हटाने की मांग की थी, जिसके बाद एक अचानक हुई बैठक हुई, जिसके वीडियो के कारण उन्हें टूर्नामेंट अधिकारियों ने आचरण उल्लंघन के लिए आधिकारिक फटकार लगाई।

अगले सुपर फॉर मैच के दौरान यह मतभेद और गहरा गया जब कुछ पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने मैदान पर तीखे इशारे किए। फ़ाइनल में कड़ी टक्कर के बाद, भारतीय टीम ने मोहसिन नकवी से विजेता ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया, जो वर्तमान में एशियाई क्रिकेट परिषद और पीसीबी दोनों के अध्यक्ष हैं और पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं। नकवी ट्रॉफी देने के लिए किसी और को न सौंपने के लिए तैयार नहीं थे, इसलिए भारतीय खिलाड़ियों ने 90 मिनट की लंबी देरी के बाद बिना ट्रॉफी के ही जश्न मनाया।

महिला टीमें हाथ मिलायेंगी या नहीं, यह एक बड़ा मुद्दा था, यहां तक कि क्रिकेट पर भी इसका असर पड़ा, विश्व कप मुकाबले से पहले, जिसके लिए कोलंबो पाकिस्तान का तटस्थ बेस है। भारत इस टूर्नामेंट का निर्धारित मेजबान है, लेकिन दोनों देश एक-दूसरे की धरती पर नहीं खेलते। भारत और पाकिस्तान की टीमों ने मैच के दिन की अपनी दिनचर्या मैच के निर्धारित समय से लगभग 90 मिनट पहले शुरू की, जब आसमान धूप से बादलों में बदल गया। शनिवार को इसी मैदान पर शाम तक लगातार बारिश के कारण श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच मैच रद्द हो गया था।

भारत ने मैदान के एक तरफ अपना अभ्यास सत्र आयोजित किया, उसके बाद कुछ खिलाड़ियों ने फुटबॉल खेला, जबकि

अरुंधति रेड्डी और राधा यादव ने अपनी निर्धारित साइड पिच पर थोड़ी देर के लिए गेंदबाजी की। भारत के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने मैच से पहले टीम को संबोधित किया, जिसके बाद उन्होंने और हरमनप्रीत ने सेंटर पिच का निरीक्षण किया।

मैच के दिन के प्रोटोकॉल से पहले शुक्रवार को आर प्रेमदासा मैदान पर भारत के पहले प्रशिक्षण सत्र से पहले पिच को ढक दिया गया था, और अंतत-बारिश के कारण वे रविवार तक इसका निरीक्षण नहीं कर पाए। इस बीच, पाकिस्तान की टीम ने अपने डगआउट में अभ्यास करने का फैसला किया, जहां कप्तान सना ने एक संक्षिप्त बैठक में अपने खिलाड़ियों को संबोधित किया।

डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा रन और विकेट लेने वाले शीर्ष पांच भारतीय खिलाड़ियों में शामिल हैं जडेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में सबसे ज्यादा रन और विकेट लेने वाले शीर्ष पांच भारतीय खिलाड़ियों की सूची में शामिल हैं।

डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले शीर्ष 5 भारतीय

खिलाड़ियों में रनों के मामले में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत नंबर एक पर हैं। वहीं शुभमन गिल 2697 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। ऋषभ 2731 और पूर्व कप्तान रोहित शर्मा 2716 रनों के साथ ही पहले और दूसरे नंबर पर हैं। वहीं रवींद्र जडेजा विराट कोहली के पीछे पांचवें स्थान पर हैं।

वहीं विकेटों की बात करें तो डब्ल्यूटीसी में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड आर अश्विन के नाम है। उनके नाम 195 विकेट हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह 173 विकेट के साथ ही सूची में दूसरे नंबर पर हैं। इन दोनों के अलावा अभी तक कोई भारतीय डब्ल्यूटीसी में 150 विकेट भी नहीं ले पाया है। रवींद्र जडेजा सूची में 142 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं। वहीं मोहम्मद सिराज कुल 130 विकेट के साथ चौथे नंबर पर हैं। भारतीय टीम से बाहर चल रहे मोहम्मद शमी 85 विकेट के साथ पांचवें और आखिरी नंबर पर हैं।

एशिया कप 2025 ट्रॉफी चोरी का मामला- लखनऊ के क्रिकेट प्रेमी ने दुबई पुलिस को दर्ज करवाई शिकायत

लखनऊ (एजेंसी)। दुबई में 27 सितंबर 2025 को संपन्न हुए एशिया कप 2025 फाइनल के दौरान हुई ट्रॉफी चोरी के गंभीर मामले पर लखनऊ निवासी एक क्रिकेट प्रेमी संजय शर्मा ने दुबई पुलिस को औपचारिक शिकायत की है। बीते 30 सितम्बर को भेजी गई शिकायत में बताया गया है कि एशियाई क्रिकेट परिषद (ACC) के अध्यक्ष एवं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने ट्रॉफी को कानूनी तरीके से विजेता भारतीय टीम को सौंपने के बजाय अपने कब्जे में ले लिया।

शिकायत में इस गैरकानूनी कृत्य को क्रिकेट समुदाय के लिए गहरा आघात बताया गया है, जिससे भारतीय क्रिकेट प्रेमियों में व्यापक रोष व्याप्त है। शिकायतकर्ता ने दुबई पुलिस विभाग से मामले की त्वरित और निष्पक्ष जांच करने, दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने तथा ट्रॉफी की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

इस शिकायत की सूचना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC), भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (BCCI) और संबंधित अन्य क्रिकेट संस्थाओं को भी दी गई है। दुबई पुलिस ने प्राप्त शिकायत का शीघ्र उत्तर देते हुए 48 कार्यघंटों में वापसी का भरोसा भेजा है। यह मामला न केवल खेल के नैतिक आदर्शों के उल्लंघन का प्रश्न है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट की प्रतिष्ठा और खेलों में पारदर्शिता व जवाबदेही के सिद्धांतों की भी परीक्षा है। भारतीय क्रिकेट समर्थक संजय शर्मा के प्रयास और दुबई पुलिस की इस कार्रवाई से खुश हैं और उम्मीद करते हैं कि जल्द ही न्याय होगा।

महिला विश्व कप : जीत का खाता खोलने के इरादे से उतरेंगे न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका

इंदौर (एजेंसी)। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीमें सोमवार को जब महिला विश्व कप के मैच में आमने-सामने होंगी तो अपने शुरुआती मुकाबलों में मिली करारी हार की निराशा को भुलाकर जीत का खाता खोलने का प्रयास करेंगी। न्यूजीलैंड को जहां अपनी गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होती तो वहीं दक्षिण अफ्रीका की नजरें अपनी बल्लेबाजों की फॉर्म पर होगी।

न्यूजीलैंड को पहले मैच में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 89 रन से शिकस्त झेलनी पड़ी तो वहीं दक्षिण अफ्रीका को इंग्लैंड ने 10 विकेट से रौंद दिया। दोनों ही मुकाबलों में हारने वाली टीम की बल्लेबाजों ने निराश किया। न्यूजीलैंड की गेंदबाजों ने हालांकि ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 22वें ओवर में पांच विकेट पर 128 रन करने के बावजूद उसे 326 रन बनाने दिए।

ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एश्ले गार्डनर ने शानदार शतक जड़कर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की और कप्तान सोफी डिवाइन की 112 रन की पारी के बावजूद न्यूजीलैंड की टीम लक्ष्य के करीब भी नहीं पहुंच पाई। न्यूजीलैंड ने आखिरी

पांच विकेट केवल 19 रन पर गंवा दिए। दक्षिण अफ्रीका के मामले में यह एकतरफा मुकाबला रहा क्योंकि उनकी टीम 69 रन पर आउट हो गई और उसकी केवल एक खिलाड़ी दोहरे अंक तक पहुंच पाई। दक्षिण अफ्रीका को प्रतिस्पर्धी बनने के लिए लॉरा वोलवार्ट, ताजमिन ब्रिट्स, सुने लुस और मारिजैन कैप के बल्ले से बेहतर योगदान की उम्मीद होगी।

विश्व कप से पहले अपने आखिरी मैच में दक्षिण अफ्रीका की टीम पाकिस्तान से हार गई थी और सिर्फ 115 रन ही बना पाई थी जो बल्ले से उनकी लगातार नाकामी को दर्शाता है। हालांकि कागजों पर न्यूजीलैंड प्रबल दावेदार है क्योंकि उनके पास गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में बेहतर क्षमता है, विशेषकर स्पिन गेंदबाजी में जहां अमेलिया केर के 10 ओवर निर्णायक साबित होंगे। एक और पहलू यहां की परिस्थितियां हैं जिन्हें न्यूजीलैंड बेहतर समझता है क्योंकि वे इस मैदान पर अपना लगातार दूसरा मैच खेल रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका गुवाहाटी से आएगा और उसकी बल्लेबाज एक अच्छी पिच पर बल्लेबाजी करना चाहेंगी जहां गेंद आसानी से बल्ले पर आती हो।

टीमें

न्यूजीलैंड = सोफी डिवाइन (कप्तान), सूजी बेट्स, ईडन कार्सन, फ्लोरा डेवोनशर, इजी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पॉली इंग्लिस, बेला जेम्स, मेली केर, जेस केर, रोजमेरी मायर, जॉर्जिया प्लिमर, लिया ताहुहु।

दक्षिण अफ्रीका = लॉरा वोलवार्ट (कप्तान), ताजमिन ब्रिट्स, एनेरी डर्कसेन, मारिजेन कैप, एनेके बॉश, सिनालो जाफ्टा (विकेटकीपर), क्लो ट्रायोजन, नादिन डि क्लार्क, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, नॉनकुलुलेको म्लाबा, सुने लुस, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शंगासे और काराबो मेसो।

पेरीकार्ड ने शंघाई मास्टर्स में फिट्ज को हराकर किया उलटफेर

शंघाई । फ्रांस के जियोवानी म्पेत्शी पेरीकार्ड ने चौथी रैंकिंग के खिलाड़ी टेलर फिट्ज को 6-4, 7-5 से हराकर रविवार को शंघाई मास्टर्स के चौथे दौर में प्रवेश किया। लंबे कद के पेरीकार्ड ने अमेरिका के खिलाड़ी के खिलाफ एक घंटे 25 मिनट में अपनी पहली जीत दर्ज की। पेरीकार्ड के सामने अंतिम 16 दौर में 10वें वरीय होल्गर रूने की चुनौती होगी। अन्य मैचों में रूने ने 21वें वरीय यूगो हम्बर्ट को 6-4, 6-4 से हराया जबकि जिजोयू बर्ग्स ने 19वें वरीय फ्रांसिस्को सेरुंडोलो को 7-6, 6-3 से मात दी। डेविड गोफिन के पहले सेट के दौरान जल्दी रिटायर होने के कारण 31वें वरीय गेब्रियल डियालो को वॉकओवर मिल गया।

विश्वकप 2027 है हमारा लक्ष्य : शुभमन

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के नये एकदिवसीय कप्तान बने शुभमन गिल ने कहा है कि उनका लक्ष्य विश्व कप 2027 है। शुभमन को ऑस्ट्रेलिया दौरे से ठीक पहले रोहित शर्मा की जगह पर एकदिवसीय प्रारुप की कप्तानी सौंपी गयी है। जिससे ये युवा बल्लेबाज बेहद उत्साहित है। इससे पहले उन्हें टेस्ट कप्तान बनाया गया था। एकदिवसीय प्रारुप की कप्तानी मिलने के बाद शुभमन ने कहा कि 2027 विश्वकप से पहले टीम को कुल 20 एकदिवसीय मैच खेलने को मिलेंगे। इसमें टीम अपने प्रदर्शन को निखारने पर ध्यान देगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक वीडियो में शुभमन ने कहा, 'अपने देश की एकदिवसीय में कप्तानी करना एक बड़ा सम्मान है, जिससे वह गर्व का अनुभव कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि वह बेहतर प्रदर्शन कर पायेंगे।' इस बल्लेबाज ने आगे कहा, 'दक्षिण अफ्रीका में विश्व कप खेलने से पहले हमारे पास करीब 20 एकदिवसीय मैच हैं, जिसमें हमारे पास प्रदर्शन सुधारने का अच्छा अवसर है। साथ ही कहा कि हम जो भी खेलेंगे और जिन खिलाड़ियों के साथ भी खेलेंगे, वे विश्व कप से पहले एक शानदार सत्र खेलने का पूरा प्रयास करेंगे। ऐसे में खिताब के लिए दक्षिण अफ्रीका जाने से पहले हम पूरी तरह से लय में रहेंगे।' वहीं दूसरी ओर रोहित को अचानक ही कप्तानी से हटाए जाने पर हरभजन सिंह सहित कई दिग्गज क्रिकेटर्स ने नाराजगी जतायी है। उनका कहना है कि छह महीने पहले ही रोहित की कप्तानी में टीम ने आईसीसी चैम्पयंस ट्रॉफी जीती थी। ऐसे में उन्हें कप्तानी से नहीं हटाया जाना चाहिये था। उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे तक तो कप्तान बनाया जाना चाहिये था।

विदर्भ ने तीसरी बार जीती ईरानी ट्रॉफी, फाइनल में शेष भारत को बड़े अंतर से हराया

नागपुर (एजेंसी)। हर्ष दुबे (चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत विदर्भ ने रविवार को शेष भारत को 93 रनों से हराकर तीसरी बार ईरानी ट्रॉफी का खिताब जीता। शेष भारत ने कल के दो विकेट पर 30 रन से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में शेष भारत ने अपना तीसरा विकेट कप्तान रजत पाटीदार (10) का विकेट 28 रन जोड़कर गंवा दिया। उन्हें आदित्य ठाकरे ने अपनी ही गेंद पर आउट किया। इसके बाद दर्शन नालकंडे ने ऋतुराज गायकवाड़ (सात) को आउटकर पवेलियन भेज दिया।

यश ढुल ने इशान किशन के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 26वें ओवर में हर्ष दुबे ने इशान किशन (35) को आउटकर शेष भारत की मैच जीतने की उम्मीद को झटका दिया। सारांश जैन और यश ढुल के बीच छठे

विकेट के लिए 53 रनों की साझेदारी हुई। पार्थ रेखड़े ने सारांश जैन (29) को पगबाधा आउटकर विदर्भ को छठी सफलता दिलाई। इसके बाद यश ठाकुर ने यश ढुल को भी आउटकर पवेलियन भेज दिया। यश ढुल ने शेष भारत के लिए सबसे अधिक 92 रनों की पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 117 गेंदों में आठ चौके और एक छक्का लगाया।

अंशुल कम्बोज (तीन) और आकाश दीप (शून्य) पर आउट हुये। 74वें ओवर की पांचवीं गेंद पर हर्ष दुबे ने गुरनूर बरार (सात) को आउटकर 267 के स्कोर पर शेष भारत की दूसरी पारी का अंत करते हुए 93 रनों से मुकाबला जीत लिया। विदर्भ के लिए हर्ष दुबे ने चार विकेट लिये। आदित्य ठाकरे और यश ठाकुर को दो-दो विकेट मिले। पार्थ रेखड़े और दर्शन नलकंडे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले विदर्भ ने पहली पारी में 342 रन तथा दूसरी पारी में 232 रन का स्कोर किया। शेष भारत ने पहली पारी में 214 रन बनाये थे और उसे दूसरी में जीत के लिए 361 रनों का लक्ष्य मिला था। उल्लेखनीय है कि इससे पहले विदर्भ ने वर्ष 2017-18 और 2018-19 में दो बार ईरानी ट्रॉफी का खिताब जीता है। अभी तक खेले 63 फाइनल मैचों में शेष भारत 31वीं बार उपविजेता रहा है।

सैमसन अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शायद ही नजर आयें

-बोर्ड की भविष्य की योजनाओं का हिस्सा नहीं

मुम्बई । ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम चयन में एक बार फिर अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की उपेक्षा हुई है। सैमसन को इस दौरे के लिए टीम में जगह नहीं मिली है। उनकी जगह पर चयनकर्ताओं ने युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को प्राथमिकता दी है। चयनसमिति ने उन्हें बैकअप विकेटकीपर के तौर पर भी शामिल नहीं किया है। इससे साफ है कि अब सैमसन भविष्य की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं और उनका अंतरराष्ट्रीय कैरियर समाप्त होने की ओर है। चयन समिति के फैसले से सभी को हैरानी इस लिए भी हुई है क्योंकि सैमसन ने दक्षिण अफ्रीका दौरे पर खेले गये अपने अंतिम एकदिवसीय मैच में शतक लगाया था। इसके बाद भी उनके नाम पर विचार नहीं हुआ। वहीं इससे पहले चैंपियंस ट्रॉफी में भी उन्हें जगह नहीं मिली थी। तब केएल राहुल मुख?य विकेटकीपर जबकि ऋषभ पंत इस टीम में वैकल्पिक विकेटकीपर थे। यही कारण है कि इस आईसीसी इवेंट में सैमसन को जगह नहीं मिली थी। वहीं अभी ऋषभ चोटिल होने के कारण बाहर हैं। ऐसे में राहुल के विकल?प के तौर पर सैमसन नहीं बल्कि जुरेल को रखा गया है। अजीत अगरकर के नेतृत?व वाली भारतीय चयनसमिति ने सैमसन की जगह पर जुरेल को रखे जाने पर कहा कि जुरैल मध्य क्रम खेलते हैं जिसमें हमें बल्लेबाज की जरुरत थी जबकि सैमसन शीर्ष क्रम में खेलते हैं जिसमें पहले ही कई बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। यहा कारण है कि दूसरे विकेटकीपर के तौर पर जुरैल को अवसर दिया गया है। इससे साफ है कि अब सैमसन भविष्य की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं और उनका अंतरराष्ट्रीय कैरियर समाप्त होने की ओर है।

बहन की शादी में भी शामिल नहीं हो पाये अभिषेक

लुधियाना । आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा भारत ए टीम की ओर से खेलने के कारण अपनी बहन की शादी में भी शामिल नहीं हो पाये। हाल ही में अभिषेक की बहन कोमल की शादी कारोबारी लोविश ओबरॉय के साथ हुई थी। ऑस्ट्रेलिया ए टीम के खिलाफ जारी सीरीज को देखते हुए अभिषेक को कानपुर जाना पड़ा था और इसी कारण वह बहन की शादी में शामिल नहीं हो सके। अभिषेक ने जिस प्रकार देश के लिए इतना बड़ा फैसला लिया। उसके लिए उनकी प्रशंसा भी हो रही है। देश के लिए उनके समर्पण से प्रशंसक बेहद प्रभावित हैं।, जिसके बाद से ही हर तरफ उनकी तारीफ हो रही है। अभिषेक 30 सितंबर को शुगन की रस्म में ही शामिल हुए थे। इस समारोह में अभिषेक के साथ उनके गुरु और पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह सहित कई क्रिकेटर भी शामिल हुए थे। शगुन समारोह के बाद ही अभिषेक सीधे ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ सीरीज के लिए कानपुर के लिए रवाना हो गए थे।

विराट और रोहित का क्या होगा भविष्य? 2027 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया में हुआ बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। दोनों खिलाड़ियों ने आईपीएल 2025 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है, जिसके चलते फैन्स उनकी मैदान पर वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह इंतजार 19 अक्टूबर को खत्म होगा, जब भारत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला वनडे मुकाबला खेलेगा।

रोहित से छीनी गई कप्तानी

बड़ी खबर यह है कि रोहित शर्मा अब वनडे टीम की कप्तानी नहीं करेंगे और इस सीरीज में बतौर विशेषज्ञ बल्लेबाज खेलेंगे। उनकी जगह शुभमन गिल को टेस्ट के बाद वनडे टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है। अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति के इस फैसले ने क्रिकेट प्रशंसकों को हैरान कर दिया है। फैन्स सवाल उठा रहे हैं कि शानदार कप्तानी रिकॉर्ड के बावजूद रोहित से कप्तानी क्यों छीनी गई, जिन्होंने हाल ही में आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में भारत को खिताब दिलाया था।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई और टीम प्रबंधन ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक रणनीति तैयार की है। इस दौरान यह सहमति बनी कि शुभमन गिल को वनडे कप्तान बनाया जाए। इस बदलाव की सबसे बड़ी चुनौती रोहित शर्मा को मनाना था, जिनका कप्तानी रिकॉर्ड शानदार रहा है।

मैदान से दूरी रही रोहित के खिलाफ

बीसीसीआई अधिकारियों का मानना है कि अगला वनडे वर्ल्ड कप दो साल बाद है और रोहित शर्मा केवल वनडे फॉर्मेट में खेलते हैं, जिसके कारण उन्हें पर्याप्त मैच अभ्यास नहीं मिलता। रोहित ने सभी फिटनेस मानक पूरे किए हैं, लेकिन हाल में क्रिकेट से उनकी दूरी उनके खिलाफ गई। चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी ओर इशारा करते हुए कहा कि रोहित का सीमित क्रिकेटिंग एक्शन चयन समिति के फैसले का एक कारण रहा।

रोहित ने आखिरी बार आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेला था, जबकि उनका पिछला अंतरराष्ट्रीय मैच आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में था। शुरुआत में बीसीसीआई के भीतर कप्तानी बदलाव को लेकर मतभेद थे, लेकिन ऑस्ट्रेलिया दौरे के नजदीक आने पर इस बदलाव के पक्ष में सहमति बन गई।

विराट कोहली की स्थिति भी समान

रिपोर्ट में बताया गया कि विराट कोहली की स्थिति भी रोहित शर्मा जैसी है, क्योंकि दोनों खिलाड़ी इस समय केवल वनडे क्रिकेट खेल रहे हैं। रोहित 38 वर्ष के हैं, जबकि विराट 36 साल के हैं। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ÷अगर हम बदलाव को और टालते हैं, तो यह और जटिल हो जाएगा। दो खिलाड़ियों में से एक 38 और दूसरा 36 साल का है। युवा खिलाड़ियों पर दांव लगाना अपेक्षाकृत सुरक्षित विकल्प है, क्योंकि वे फॉर्म या फिटनेस खो सकते हैं, लेकिन भविष्य के लिए यह जरूरी है।÷

अगरकर का बयान: 2027 वर्ल्ड कप के लिए कोई गारंटी नहीं

अजीत अगरकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्पष्ट किया कि रोहित शर्मा और विराट कोहली ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए प्रतिबद्धता नहीं दिखाई है। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई की नीति के अनुसार, टीम में चयन के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य होगा। अब यह देखना होगा कि रोहित और विराट विजय हजारे ट्रॉफी जैसे घरेलू वनडे टूर्नामेंट में हिस्सा लेते हैं या नहीं। अगर बीसीसीआई घरेलू क्रिकेट खेलने का दबाव बढ़ाती है, तो दोनों खिलाड़ी निकट भविष्य में बड़ा फैसला ले सकते हैं।

आकाश चोपड़ा की राय

पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास नहीं लेना चाहिए था, क्योंकि इससे उन्हें पर्याप्त गेम टाइम मिलता। चोपड़ा ने कहा, 'रोहित और कोहली को अब लगातार रन बनाने होंगे, वरना कोई और उनकी जगह ले सकता है।'

बीसीसीआई की नजर भविष्य पर

बीसीसीआई अब 2027 वनडे वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए युवा खिलाड़ियों के इर्द-गिर्द टीम तैयार करना चाहती है। शुभमन गिल की कप्तानी इसी रणनीति का हिस्सा है। रोहित शर्मा और विराट कोहली भारतीय क्रिकेट के दो बड़े सितारे हैं, लेकिन चयन समिति ने संकेत दे दिया है कि अब भविष्य की ओर देखने का समय है। यह बदलाव

प्रशंसकों के लिए भावनात्मक रूप से कठिन हो सकता है, लेकिन यह भारतीय क्रिकेट में एक नई शुरुआत का संकेत भी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रोग, दोष व क्लेश से मुक्ति के लिए तुलसी लगाएं

ज्योतिष के मतानुसार जिस घर में तुलसी के पौधे का आरोपण होता है वहां स्वंय श्री हरि का निवास होता है। वहां की वायु शुद्ध होगी और ऊपरी बाधाएं भी प्रभावहीन हो जाती है। इस प्रकार देखा जाए तो तुलसी की सत्ता मानव जीवन की पवित्रता और गरिमा को बढाने में सराहनीय सहयोगी की भूमिका निभाती है। धर्मग्रंथों के अनुसार जिस घर में तुलसी का पौधा होता है वहां रोग, दोष या क्लेश नहीं होता वहां हमेशा सुख-समृद्धि का वास होता है। सुबह स्नान के बाद घर के आंगन या देवालय में लगे तुलसी के पौधे की गंध, फूल, लाल वस्त्र अर्पित कर पूजा करें। फल अथवा मिष्ठान का भोग लगाएं। धूप व दीप जलाकर उसके नजदीक बैठकर तुलसी की ही माला से तुलसी गायत्री मंत्र का श्रद्धा से सुख की कामना से कम से कम 108 बार स्मरण कर अंत में तुलसी की पूजा करें -

ऊँ श्री तुलस्यै विद्महे।
विष्णु प्रियायै धीमहि।
तन्नो वृन्दा प्रचोदयात।।

पूजा व मंत्र जप में हुई त्रुटि की प्रार्थना आरती के बाद कर प्रसाद ग्रहण करें।

आप वास्तव में धार्मिक व्यक्ति हैं खुद अपनी पहचान कीजिए

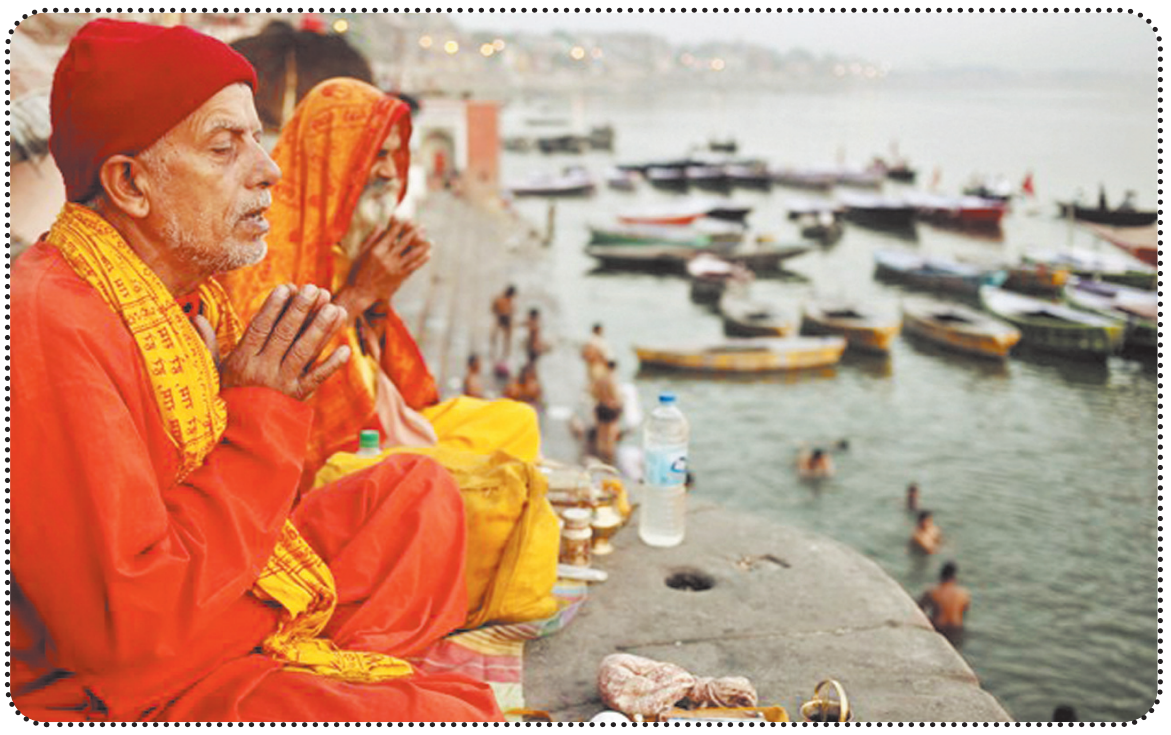

मनुष्य जिसे अपने आचरण में लाता है। वह धर्म कहा जाता है। धर्म के नियमों का पालन करते हुए व्यक्ति मानव जीवन की पूर्ण गरिमा को देवत्व को पा लेता है। विश्व के सर्वप्राचीन ग्रंथ ऋग्वेद में धर्म शब्द का प्रयोग संसार को चलाने वाले नियम के अर्थ में किया जाता है।

धर्म का एक प्रमुख एवं महत्वपूर्ण अर्थ आचार है। आचार अर्थात सदाचार। श्रेष्ठ गुण जैसे सत्य, अहिंसा, बह्मचर्य, दान, दया, धैर्य, क्षमा, इंद्रियों और मन का संयम, क्रोध न करना, चोरी न करना आदि अनेक गुण हैं, जिनका पालन करना धर्म कहा गया है। इससे जीवन में सुव्यवस्था, अनुशासन, पूर्णता और पवित्रता आती है। इसलिए यह अनिवार्य मानव धर्म कहे गए हैं। हमारे धर्मग्रंथों में सदाचार को प्रथम धर्म माना गया है। मोक्षोन्मुख एकांतिक दोनों के लिए ऋषियों ने सदाचार अनिवार्य बताया।

ऋगवेद के अनुसार सत्कर्म करना इस परमात्मा की पूंजी है। एतरेय उपनिषद में एक सुंदर वर्णन मिलता है जिसमें बताया गया है, कि मानव देह की विविध इंद्रियों में देवताओं ने अपना निवास बनाया। अतएव मनुष्य को सदा सत्कर्म ही करने चाहिए। आचारहीन का समस्त ज्ञान और धार्मिक कर्मकांड बिलकुल व्यर्थ है। वरिष्ठ धर्मसूत्रम के अनुसार आचारहीन व्यक्ति को वेद भी पवित्र नहीं कर सकते। आचारहीन व्यक्ति का वेदों का समस्त ज्ञान, सभी यज्ञादि का अनुष्ठान वैसे ही व्यर्थ है, जैसे किसी अंधे व्यक्ति के लिए उसकी रूपसी पत्नी का अनुपम सौंदर्य।

धार्मिक कर्मकांड- पूजा पाठ मंत्र जप आदि कर लेने भर से कोई सच्चा धार्मिक नहीं बन जाता। कोई भले ही हजारों बार गायत्री मंत्र जप ले, लेकिन वह मन से पवित्र नहीं है, तो सब आडंबर है। पूजा उपासना की विविध विधियां तो धर्म का एक छोटा सा साधन भर है। ये धार्मिक आचार का एक अंगमात्र है। कालांतर में अधिकांश मनुष्य धार्मिक आचार की विधि मात्र को ही धर्म समझने लगे। वे धर्म के वास्तविक अर्थ को ही भूल गए। धर्म की इसी उपयोगिता के कारण स्वामी विवेकानंद ने कहा था, मानव समाज से धर्म पृथक कर लो तो क्या रह जाएगा। कुछ नहीं केवल पशुओं का समूह।

हमारे शरीर के अंगो पर तिल और उनका राज

ठोड़ी पर तिल - ठोड़ी पर तिल हो तो ऐसा जातक बहुत मिलनसार नहीं होता। उसके गिने-चुने ही घनिष्ठ होते हैं। वह आत्मिक संबंध हर किसी से नहीं रखता। ऐसे जातक अक्सर अंतर्मुखी ही होते हैं।

पेट पर तिल - पेट पर तिल हो तो व्यक्ति खाने का शौकीन होता है। ऐसे जातक को स्वादिष्ट खाद्य पदार्थों की बिक्री के स्थान पता होते हैं। यह अधिकतर मिष्ठान-प्रेमी होता है। ऐसे लोग अपने मित्रों को भी खूब खिलाने-पिलाने के शौकीन होते हैं। ये लोग छोटी-छोटी उपलब्धि पर भी पार्टी देते हैं।

भुजा पर तिल - दाहिनी भुजा का तिल जातक को प्रतिष्ठित व बुद्धिमान बनाता है। लोग उसका आदर करते हैं। वहीं बाईं भुजा पर तिल हो तो व्यक्ति झगड़ालु होता है। उसका निरादर हो सकता है। उसकी संगत बिगड़ सकती है।

कंधे पर तिल - दाएं कंधे पर तिल व्यक्ति को जिम्मेदार बनाता है। ऐसा व्यक्ति जो भी निर्णय ले लेता है उसे पूर्ण करके ही दम लेता है। वहीं बाएं कंधे पर तिल वाला जातक छोटी-छोटी बातों का क्रोध करने लगता है। वह प्रसन्नता के साथ अपने जिम्मेदारी नहीं निभाता है।

पैर का तिल - पैरों पर तिल हो तो जीवन में भटकाव रहता है। किन्तु यात्राओं का शौकीन होता है। दाएं पैर पर तिल हो तो यात्राएं सोद्देश्य और बाएं पैर पर हो तो निरुद्देश्य होती है। दाएं घुटने पर तिल होने से गृहस्थ जीवन सुखमय और बाएं पैर पर होने से दाम्पत्य जीवन दुखमय होता है।

गले का तिल - गले में तिल वाला जातक आरामतलब होता है। गले पर सामने की ओर तिल हो तो जातक के घर मित्रों का जमावड़ा लगा रहता है। मित्र सच्चे होते हैं। गले के पृष्ठ भाग पर होने पर जातक कर्मठ होता है।

गोकुल में क्यों रहते हैं श्री कृष्ण

गोकुल के दो अर्थ हैं- पहला तो वो जहां गैय्याओं का समूह हों, जहां गायें समूह में रहती हों। दूसरा इसका अगर आध्यात्मिक अर्थ देखें तो गौ यानि इन्द्रियां और कुल यानि समूह इन्द्रियों का समूह। मनुष्य भी इन्द्रियों का समूह ही है। गोकुल गोपियों का भी समूह है।

एक बार गोपियों ने श्री कृष्ण से पूछा कि आपका जन्म तो मथुरा में हुआ है फिर आप गोकुल में क्यों रहते हो?

कृष्ण ने सीधा सा जवाब दिया, मुझे मौज में रहने का शौक हैं। मैं मेरे भक्तों को सहजता से उपलब्ध होना चाहता हूं। मथुरा में तो मुझे महलों में रहना पड़ता। महलों की अपनी मर्यादाएं होती है न मैं किसी से आसानी से मिल सकता और न कोई मुझसे आसानी से मिल सकता। विष्णु धर्मोतर में कहा गया है भूख प्यास तथा गिरते पड़ते में जो श्री कृष्ण का नाम संकीर्तन करता है उस पर भगवान श्री कृष्ण प्रसन्न होते हैं। भगवदनाम में श्री कृष्ण को वशीभूत करने की कैसी अद्भुत शक्ति है। ऐसे भक्तों को श्री कृष्ण स्वंय कहते हैं - दूर देश में रहकर द्रोपदी ने चीरहरण के समय जो मुझे हे गोविन्द ! ऐसा कहकर जोर से पुकारा था, उसका वह ऋण बढ़ गया है और मेरे हृदय से अब तक उतर नहीं रहा है।

इसलिए आशीर्वाद का लाभ आपको नहीं मिलता है

आप जब भी कभी किसी के प्रति शुभकामना व्यक्त करते हैं, तो आपके भीतर जितनी प्राणऊर्जा है और जिसे आशीर्वाद दे रहे हैं, उसमें कितनी ग्रहणशीलता है उसी आधार पर दूसरे का भला होता है।

लोग आशीर्वाद देते समय कहते हैं तुम्हारा भला हो और भला हो ही जाएगा, यह जरूरी नहीं है। अगर ऐसा होता तब तो दुनिया में कोई दुखी दरिद्र नहीं रहता। दरअसल आप जब भी कभी किसी के प्रति शुभकामना व्यक्त करते हैं, तो आपके भीतर जितनी प्राणऊर्जा है और जिसे आशीर्वाद दे रहे हैं, उसमें कितनी ग्रहणशीलता है उसी आधार पर दूसरे का भला होता है। आशीर्वाद दे कर भक्तों का कष्ट दूर करने के दावों की असलियत जानने के लिए रामकृष्ण मिशन के संन्यासी स्वामी तेजोवलयानंद ने कुछ प्रकरणों का अध्ययन किया और पाया कि समस्याओं का हल कह देने भर से नहीं होता। उसके लिए आशीर्वाद देने वाले का तप तेज और लाभ उठाने वाले की इच्छाशक्ति भी जरूरी है। स्वामीजी के अनुसार इच्छाशक्ति जगाने में जप, भजन और योगासन से मदद मिलती है। भजन आसन आदि से मदद मिलती है पर आशीर्वाद के प्रभाव को असरदार बनाता है मंत्रजप। जप के दौरान उपयोग किए गए मंत्र की ध्वनि पूरे शरीर में प्रभाव उत्पन्न करती है।

इसका पहला प्रभाव मस्तिष्क में शीतलता और स्थिरता लाता। इससे न केवल शारीरिक लाभ मिलता है, बल्कि अध्यात्मिक लाभ भी मिलता है। जप और उससे उत्पन्न हुई स्थिरता अपने से उच्च आध्यात्मिक स्थिति वाले व्यक्तियों, संतों और गुरुजनों की शुभाकांक्षा को ग्रहण करने लायक मनोभूमि बनाते हैं। शरीर और चित्त के परिष्कार के लिए अपनाए गए योगासनों का लाभ उन्हें सही ढंग से करने पर ही मिलता है। आसन, भजन और ध्यान आदि से चित्त निर्मल हो जाता है तो यह स्थिति बनती है कि किसी का आशीर्वाद ग्रहण किया जा सके। याद रहे 'चिरायु भव' कहने मात्र से आशीर्वाद पूरा नहीं हो जाता। आशीर्वाद से सुखपूर्वक जीने का संकल्प भी जाग रहा होता है। व्यक्ति के संकल्प को ऋषि या गुरु के आशीष पुष्ट करने से उसमें कार्य सिद्धि के प्रति आत्मविश्वास जागता है। कार्य को करने की प्रेरणा भी जगती है।

कैसे पाई जा सकती है कोई सिद्धि?

- धन की इच्छा है तो कमलगट्टे, वैजन्ती, स्फटिक व मूंगे की माला से लक्ष्मी देवी का जाप करना चाहिए।
- विद्या प्राप्त करने के लिए स्फटिक की माला अथवा रुद्राक्ष की माला से सरस्वती मंत्रों का जाप करें। - उत्तम व मन भावन वर प्राप्त करने के लिए रुद्राक्ष की माला से शिव मंत्रों का जाप करें।
- सुसंस्कारित व मन भावन पत्नी पाने के लिए स्फटिक की माला से शिव मंत्रों का जाप करें। - घर में सुख शांति का वातावरण बना रहे और उत्तम स्वास्थ्य के लिए महामृत्युंजय मंत्र का जाप रूद्राक्ष की माला से करें।
- शत्रुओं का नाश करने के लिए बगला मुखी मंत्र का जाप हल्दी माला से करें।
- रुद्राक्ष की माला गले में धारण करने से हृदय रोग और ब्लड पराशर नियंत्रित रहता है। - गुस्सेल जातक को वैजन्ती माला धारण करनी चाहिए।
- पुत्र प्राप्ति के लिए मोती की माला धारण करनी चाहिए।
- मानसिक और नवग्रह शांति के लिए नवरत्न की माला धारण करें।
- निसंतान महिलाएं संतान प्राप्ति के लिए पुत्र जीवा की माला से मंत्र जाप करें।
- शरीर में ताजगी व स्फूर्ति का संचार करने के लिए सफ़ेद चन्दन की माला को धारण करें।
- मंगल ग्रह की शांति के लिए लाल चन्दन की माला धारण करें।
- शरीर और आत्मा की शुद्धि के लिए तुलसी की माला धारण करें।
- हनुमान जी की साधना के लिए मुंगे की माला से मंत्रों का जाप करें।
- देवी की आराधना लिए स्फटिक की माला से मंत्र जाप करने पर मंत्र शीघ्र सिद्ध हो जाते हैं।
- हकिक माला को धारण करने से भाग्य वृद्धि, सौभाग्य प्राप्ति, भुत प्रेत, बाधा, दुर्भाग्य और कई बुराइयों को नाश करने की विशेष शक्ति होती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑपरेशन सिंदूर से सबक: अब निजी कंपनियां भी बनाएंगी मिसाइल और गोला-बारूद

नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर कई मायनों में भारत के लिए बेहद फायदेमंद रहा है। युद्ध में भारत को अपनी जरुरतों का अंदाजा भी हो गया है। शायद यही वजह है कि लंबे समय तक युद्ध की स्थिति में गोला बारुद कम न हो इसके लिए निजी कंपनियों के लिए मिसाइल और गोला बारुद बनाने का रास्ता खोल दिया है। रक्षा मंत्रालय ने मिसाइल, तोप के गोले, गोला-बारूद और आयुध के विकास और निर्माण का काम निजी क्षेत्र के लिए खोल दिया है। इसका मकसद यह है कि लंबे चलने वाले युद्ध या सैन्य अभियान के दौरान देश के पास हथियारों की कमी न हो।

यह फैसला ऐसे समय आया है जब ऑपरेशन सिंदूर के दौरान यह साफ हुआ कि भविष्य के युद्ध लॉन्ग-रेंज मिसाइलों और स्टैंड-ऑफ हथियारों पर आधारित होंगे। सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान ने इस अभियान में चीन निर्मित लंबी दूरी की एयर-टू-एयर और एयर-टू-सर्फेस मिसाइलों का इस्तेमाल किया, जिससे भारत सरकार ने निष्कर्ष निकाला कि निजी क्षेत्र की भागीदारी के बिना देश की मिसाइल जरूरतें पूरी नहीं की जा सकतीं। सूत्रों के अनुसार, राजस्व खरीद मैनुअल में संशोधन किया गया है। इसके तहत अब कोई भी निजी कंपनी गोला-बारूद निर्माण इकाई स्थापित करने से पहले सरकारी कंपनी म्युनिशन इंडिया लिमिटेड से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट लेने के लिए बाध्य नहीं होगी। इस बदलाव के बाद 105 मिमी, 130 मिमी, 150 मिमी तोप के गोले, पिनाका मिसाइल, 1000 पौंड बम, मोर्टार बम, हैंड ग्रेनेड और मध्यम व छोटे कैलिबर के कारतूस जैसे आयुधों का निर्माण अब निजी क्षेत्र में भी संभव होगा। रक्षा मंत्रालय का यह कदम इस उद्देश्य से भी प्रेरित है कि यदि भविष्य में कोई लंबा युद्ध छिड़ता है, तो भारतीय सेना गोला-बारूद की कमी का सामना न करे। अब तक भारत को कई बार आपातकालीन स्थिति में विदेशी विक्रेताओं से ऊंचे दामों पर हथियार खरीदने पड़े हैं। वर्तमान में रूस और पश्चिमी देश यूक्रेन युद्ध, इजरायल गाज़ा युद्ध में व्यस्त हैं। ऐसे में मिसाइलों और गोला-बारूद की वैश्विक मांग चरम पर है। दूसरी ओर पाकिस्तान को चीन से निरंतर सैन्य आपूर्ति मिल रही है। इससे भारत को अपनी घरेलू रक्षा उत्पादन क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया है कि रणनीतिक मिसाइलों का विकास और नियंत्रण केवल डीआरडीओ के अधीन रहेगा, जबकि कन्वेंशनल मिसाइलों के क्षेत्र में निजी क्षेत्र को अवसर दिया जाएगा।यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'आत्मनिर्भर भारत'नीति के तहत रक्षा उत्पादन में स्वदेशीकरण और निजी भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में एक ऐतिहासिक निर्णय माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, रक्षा मंत्रालय ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) को भी पत्र लिखकर यह संकेत दिया है कि मिसाइल विकास और इंटीग्रेशन का क्षेत्र भी निजी कंपनियों के लिए खोला जाएगा। अब तक यह कार्यक्षेत्र केवल सरकारी कंपनियों भारत डायनेमिक्स लिमिटेड और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड तक सीमित था।

साइक्लोन 'शक्ति' तूफान को लेकर अलर्ट जारी, महाराष्ट्र में हो रही मूसलाधार बारिश

पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम की ओर बढ़ रहा तूफान

नई दिल्ली

इस साल मानसून सीजन का पहला साइक्लोन अरब सागर में उठा है। मौसम विज्ञानियों ने साइक्लोन का नाम 'शक्ति' रखा है। शुक्रवार को डेवलप हुए इस तूफान का नाम श्रीलंका ने दिया है। इस तूफान की वजह से महाराष्ट्र के मराठवाड़ा और विदर्भ वाले जिलों में मूसलाधार बारिश जारी है। साथ ही पूर्वी गुजरात मौसम विभाग का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने कहा कि साइक्लोन शक्ति का असर पूर्वी तटीय राज्य ओडिशा पर होने की संभावना है। साथ ही इस तूफान को देखते हुए गुजरात और महाराष्ट्र के तटीय इलाके वाले मछुआरों को समंदर में नहीं जाने की सलाह दी गई है।

साइक्लोन शक्ति को लेकर मौसम विभाग का बड़ा अपडेट आया है। मौसम विभाग ने बताया कि गंभीर श्रेणी के इस तूफान का महाराष्ट्र के कोस्टल एरिया में कोई खतरा नहीं है। उत्तर-पश्चिम अरब सागर के ऊपर गंभीर चक्रवाती तूफान 'शक्ति' पिछले 10 घंटों से पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। चक्रवात शक्ति की वजह से महाराष्ट्र के कई जिलों में मूसलाधार बारिश हो रही है। महाराष्ट्र के कई जिले हाई अलर्ट पर हैं।

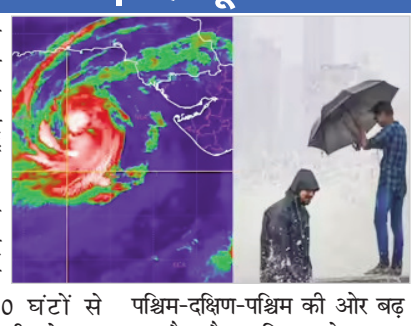

गंभीर चक्रवाती तूफान का रूप लिया शक्ति, 110 किमी की रफ्तार से चल रही हैं हवाएं

उत्तर-पश्चिम अरब सागर के ऊपर गंभीर चक्रवाती तूफान 'शक्ति' पिछले 10 घंटों से 15 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने बताया कि मंगलवार तक गुजरात-महाराष्ट्र तट पर समुद्र की स्थिति खराब हो सकती है। तूफानी मौसम और 55 से 65 किलोमीटर प्रति घंटे से लेकर 75 किलोमीटर प्रति घंटे की तेज हवाएं चलने का अनुमान है। मौसम विभाग ने बताया कि रविवार और सोमवार को 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटे से लेकर 60-100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है।

सेशन कोर्ट के दो जज बर्खास्त

मुंबई मुंबई हाईकोर्ट ने भ्रष्टाचार और कदाचरण के आरोप में दो सेशन कोर्ट के जजों को बर्खास्त कर दिया है। इसमें से एक जज अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धनंजय निकम है। दूसरे सिविल जज इरफान शेख हैं। हाईकोर्ट की अनुशासन समिति ने जांच के बाद इन्हें नौकरी से बर्खास्त किया है। सेशन जज निकम पर रिश्वत लेने का आरोप था। एक जमानत के मामले में उन्होंने 500000 रूपये की रिश्वत मांगी थी। वह लगे हाथों रिश्वत लेते हुए पकड़े गए थे। वहीं इरफान शेख को रिश्वत लेते और नशाखोरी के आरोप में बर्खास्त किया गया है। हाई कोर्ट ने शुक्रवार को दोनों की बर्खास्तगी के आदेश जारी किए हैं।

महाराजा और प्रिंसेस को हटाओ, तभी होगी सुनवाई

जयपुर राजस्थान हाईकोर्ट ने 24 साल से लंबित मामले की सुनवाई यह कहकर टाल दी है। पहले टाइटल हटाओ फिर सुनवाई करेंगे। न्यायमूर्ति महेंद्र कुमार गोयल ने राज परिवार से जुड़े हुए इस मामले की याचिका में पक्षकारों के नाम के आगे महाराजा- प्रिंसेस लिखने पर आपत्ति जताई है। अदालत ने कहा नाम के साथ टाइटल का प्रयोग क्यों किया जा रहा है। पहले इन्हें हटाएं उसके बाद सुनवाई करेंगे। यह मामला दिवंगत जगत सिंह और पृथ्वीराज सिंह के कानूनी वरिसों द्वारा दायर किया गया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 13 अक्टूबर को होगी। 2001 में राज परिवार के कानूनी बारिशों द्वारा दायर की गई थी। इन याचिकाओं में हाउस टैक्स की वसूली को लेकर चुनौती दी गई थी। इस मामले की सुनवाई अब 13 अक्टूबर को शुरू होने जा रही है।

पहलगाम हमले में चीन ने की पाक की मदद, सैटेलाइट इमेज कराई उपलब्ध

चीनी मामलों के जानकार प्रोफेसर श्रीकांत कोंडापल्ली ने लगाए आरोप

नई दिल्ली

क्या पहलगाम में हुए आतंकी हमले में भी आतंकियों की चीन ने मदद की थी। चीन मामलों के जानकार प्रोफेसर श्रीकांत कोंडापल्ली ने आरोप लगाया है कि पहलगाम आतंकी हमले में एक आतंकी के पास हुआवे का फोन था, जिसमें चीनी सैटेलाइट कनेक्शन मौजूद था। हमले के बाद उसी फोन से पाकिस्तान को संदेश भेजा गया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रोफेसर कोंडापल्ली ने कहा कि पहलगाम में जब हमला हुआ, तब एक आतंकी के पास हुवावे का फोन मिला, जिसमें चीनी सैटेलाइट कनेक्शन था। उसने हमले के बाद पाकिस्तान को मैसेज भेजा था। यह साफ तौर पर चीन की भूमिका दिखाता है। हमले से पहले चीन ने पाकिस्तान को पहलगाम की 120-129 स्लाइड्स वाली सैटेलाइट इमेज भी उपलब्ध कराई थीं। आतंकवाद के खिलाफ भारत और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ प्रतिबद्धता जताने के बावजूद चीन पाकिस्तान की मदद कर रहा था।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की चर्चाओं से द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) का नाम हटवाने की कोशिश की, जिसने शुरू में हमले की जिम्मेदारी ली थी।

कोंडापल्ली ने कहा कि चीनी राजदूत और पाकिस्तानी राजदूत ने यूएनएससी चर्चाओं में टीआरएफ का नाम हटवा दिया। पहले दो बार की जिम्मेदारी टीआरएफ के रोल को साबित करती है। तियानजिन एससीओ घोषणा पत्र में पहलगाम का जिक्र था, लेकिन इसे पाकिस्तानी दबाव में कमजोर कर दिया गया। इससे साफ होता है कि आतंकवाद के मुद्दे पर भारत अपने पड़ोसी देश चीन पर भरोसा नहीं कर सकता।

कोंडापल्ली ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी चीन पर पाकिस्तान का समर्थन करने का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि चीन ने ऑपरेशन सिंदूर के वक्त पाकिस्तान वायुसेना को सूचनाएं दीं। उन्हें जेएफ-17, जे-10 लड़ाकू विमान, एचक्यू-9 सरफेस-टू-एयर मिसाइल बैटरियां जैसे हथियार मुहैया कराए। यह बेहद आक्रामक रुख है। पहलगाम हमले के बाद चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने निष्पक्ष जांच की बात कही, जबकि चीन खुद कभी भी शिनजियांग के उइगर विद्रोह या कोविड-19 महामारी के समय डब्ल्यूएचओ टीम को जांच की अनुमति नहीं देता।

कोंडापल्ली ने कहा कि भारत को अब कार्रवाई करनी होगी, जांच नहीं, क्योंकि कई आतंकी घटनाओं का सुराग पाकिस्तान के क्रॉस-बॉर्डर आतंकवाद से जुड़ता रहा है।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान का साथ दिया। एक पाकिस्तानी ब्रिगेडियर ने चीन के वेस्टर्न थिएटर कमांड से रावलपिंडी के लिए समन्वय किया। इसलिए भारत को चीन पर भरोसा करने से पहले ठोस सबूतों की जरूरत है।

अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेला 22 अक्टूबर से, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में जारी नहीं होंगे वीआईपी पास

अजमेर राजस्थान का प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेला 22 अक्टूबर से शुरू होकर 7 नवंबर तक चलेगा। इस मेले में देश-विदेश से हजारों पर्यटक और श्रद्धालु हिस्सा लेंगे। प्रशासन ने मेले की तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। इस बार मेले में एक खास बदलाव यह है कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों में वीआईपी पास की व्यवस्था नहीं होगी। यानी जो पहले पहुंचेगा, उसे पहले सीट मिलेगी। मेला क्षेत्र और यातायात व्यवस्था के लिए प्रशासन ने कड़े प्रबंध किए हैं। कार्तिक एकादशी से पूर्णिमा (1 से 6 नवंबर) तक अजमेर-पुष्कर मार्ग पर वन-वे यातायात लागू रहेगा। सुरक्षा के लिए लगभग 3000 पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। सरकारी वाहनों और मेला ड्यूटी में लगे कर्मचारियों के निजी वाहनों के लिए अलग-अलग पास जारी किए जाएंगे। इन पासों पर क्यूआर कोड भी होगा, ताकि किसी प्रकार का दुरुपयोग रोका जा सके। सुरक्षा की दृष्टि से पुष्कर सरोवर में पानी का स्तर ऊँचा होने के कारण सिविल डिफेंस और गोताखोरों को तैनात किया जाएगा, जिससे किसी भी अप्रिय घटना से बचाव हो सके। मेले का मैदान इस बार 11 अलग-अलग भागों में विभाजित किया गया है। पशुपालक अपनी जमीन मुफ्त में लेने के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को इस मेले में आने का विशेष न्योता भेजा गया है। प्रशासन ने बताया कि मेले में आने वाले सभी लोगों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए व्यवस्था की गई है। इस बार का अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेला न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होगा, बल्कि पर्यटकों के लिए आकर्षक अनुभव भी प्रदान करेगा। प्रशासन ने यह स्पष्ट किया है कि मेले में अनुशासन और सुरक्षा को सर्वोपरि रखा जाएगा।

सिरप लिखने वाले गिरफ्तार डॉक्टर ने कहा दवा असली या नकली ये देखना सरकार का काम

भोपाल छिंदवाड़ा में खांसी के सिरप से कई बच्चों की जान चली गई। इस मामले में पुलिस ने देर रात डॉ प्रवीण सोनी को गिरफ्तार कर लिया। डॉक्टर पर आरोप है कि इन्होंने जो दवा लिखी है उसी से अधिकांश बच्चों की जान गई है। यहां सवाल ये भी उठ रहा है कि डॉक्टर दवाएं लिखता है तो उसे पता नहीं होता है कि ये असली है या नकली। नकली दवाओं का नकेल कसना सरकार का काम है। यही बात डॉ सोनी ने गिरफ्तारी के दौरान गुस्से में कही, उन्होंने कहा कि डॉक्टर का काम दवा लिखना है। दवा असली है या नकली, यह देखना सरकार का काम है। उनका यह बयान विवाद को और हवा दे रहा है। इस घटना ने स्वास्थ्य सेवाओं और दवा वितरण प्रणाली में खामियों को उजागर किया है। स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है, और जनता में दवाइयों की गुणवत्ता को लेकर चिंता बढ़ रही है। जांच के नतीजे और दोषियों पर कार्रवाई का इंतजार किया जा रहा है। डॉ सोनी, जो परासिया के सिविल अस्पताल में शिशु रोग विशेषज्ञ हैं, उस समय 15 दिन के अवकाश पर थे और अपने निजी क्लीनिक में बच्चों का इलाज कर रहे थे। खास बात यह है कि उनके क्लीनिक के ठीक बगल में उनकी पत्नी अपना मेडिकल नाम से मेडिकल स्टोर चलाती हैं, जहां से ये दवाइयां बेची गई थीं। इस मामले ने स्थानीय समुदाय में गहरा आक्रोश पैदा किया है, क्योंकि दवाइयों की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। यह कार्रवाई एक दवा निर्माता कंपनी और डॉ सोनी के खिलाफ दर्ज दो अलग-अलग मामलों में हुई। मामला बच्चों के उपचार में इस्तेमाल किए गए कफ सिरप से जुड़ा है, जिसके कारण कथित तौर पर नौ बच्चों की किडनी इन्फेक्शन से मृत्यु हो गई। इनमें से सात बच्चों का इलाज डॉ सोनी के निजी क्लीनिक में हुआ था, जहां उन्हें कोल्डरिफ और नेस्ट्रो डीएस दवाइयां दी गई थीं।पुलिस जांच में पता चला कि अलग-अलग अस्पतालों में 14 अन्य बच्चे, जिन्हें यही दवाइयां दी गई थीं, अभी भी इलाजरत हैं। इन दवाइयों को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं, और एक दवा निर्माता कंपनी पर भी कार्रवाई की गई है। इस कंपनी को 14 बच्चों की मौत के लिए कथित रूप से जिम्मेदार माना जा रहा है। जांच में यह भी सामने आया कि डॉ सोनी ने बच्चों के उपचार में इन कफ सिरप की सिफारिश सबसे अधिक की थी।

सीमावर्ती गांवों पर नहीं बने बंकर, ग्रामीणों में दहशत

2000 नए बंकर बनने थे, सीमावर्ती क्षेत्रों में

श्रीनगर 8 और 9 मई को पाकिस्तान की ओर से भारत के सीमा क्षेत्र में भारी गोलीबारी की गई थी। रातों-रात सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों को गांव के गांव खाली करने पड़े थे। उसके बाद सेना ने सीमावर्ती गांवों में बंकर बनाने का निर्णय लिया था। इस बात के चार महीने बीत चुके हैं। अभी तक बंकर बनाने का काम शुरू नहीं हुआ है। जिसके कारण यहां के लोगों में भय का वातावरण बन गया है। जम्मू कश्मीर के आठ जिलों के लगभग 500 गांव पाकिस्तान की सीमा से सटे हुए हैं। 8 और 9 मई की गोलाबारी में ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान 60 गांवों में भारी नुकसान हुआ था। 6000 से ज्यादा घर क्षतिग्रस्त हुए थे। 30000 लोगों को रातों-रात सेना को शिफ्ट करना पड़ा था। बड़ी संख्या में लोग घायल हुए थे। सेना की अनुशंसा पर 2000 नए बंकर बनाने का निर्णय सरकार ने लिया था। उसके बाद सरकार बंकर बनाना भूल गई। जिसके कारण ग्रामीणजनों में भय का वातावरण देखने को मिल रहा है।

फ्लाइट में यात्रा कर थे केंद्रीय मंत्री शिवराज, पायलट बन सांसद रुडी ने उड़ाया विमान

रोचक अंदाज और सरल भाषा में दी हर छोटी-बड़ी जानकारी, यात्रियों ने बजाई ताली

नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पटना-दिल्ली हवाई यात्रा अनोखी रही। उन्होंने बताया कि पटना से दिल्ली की इस फ्लाइट को छपरा सांसद राजीव प्रताप रूडी उड़ा रहे थे। शिवराज ने अपनी पोस्ट में बताया कि सांसद रूडी ने पायलट की सीट से रोचक अंदाज में और सरल भाषा में यात्रियों के साथ यात्रा से जुड़ी हर छोटी-बड़ी जानकारी शेयर की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सांसद राजीव रुडी ने यात्रा की शुरुआत में कहा कि आज पटना के चारों ओर बादलों ने डेरा जमा रखा है। कल से लगातार बारिश हो रही है। बादलों के बीच हल्की बारिश के साथ हम दिल्ली की यात्रा शुरू कर रहे हैं। रास्ते में हम बनारस के ऊपर से गुजरेंगे। बाईं ओर प्रयागराज और दाईं ओर लखनऊ दिखाई देगा। गंगा और यमुना नदी के दर्शन करते हुए हम दिल्ली पहुंचेंगे। अगर बादल न रहे, तो नोएडा की हाई-राइज बिल्डिंग्स की रोशनी भी हमें देखने को मिल सकती है। केंद्रीय मंत्री शिवराज ने आगे लिखा- राजीव रुडी का हर छोटी-बड़ी जानकारी साझा करने का अंदाज बहुत ही निराला था। यात्रा के आखिर में जब उन्होंने सुखद और सफल उड़ान के लिए यात्रियों से ताली बजाने का

अनुरोध किया, तो उसमें एक खास आत्मीयता झलक रही थी। उन्होंने इस अनुभव को अद्भुत और अभूतपूर्व बताया। शिवराज ने अपनी ही पार्टी के सांसद और पायलट राजीव रुडी की तारीफ करते हुए कहा कि ऐसे लोग विरले ही होते हैं, जो इतनी व्यस्तताओं के बीच भी अपने हुनर के लिए समय निकालते हैं।

पुतिन ने अमेरिका को चेताया: यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइल दिया तो रिश्ते होंगे हमेशा के लिए खत्म

मॉस्को

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ट्रंप को सीधी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि अमेरिका यूक्रेन को लंबी दूरी की टॉमहॉक मिसाइलें देता है ताकि वह रूस के भीतर भी हमले कर सके, तो मॉस्को और वाशिंगटन के संबंध हमेशा के लिए खत्म हो जाएंगे।

पुतिन की यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जबकि दो महीने पहले ही उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अलास्का में शिखर बैठक की थी। तब शांति की उम्मीदें जगी थीं, लेकिन अब स्थिति और तनावपूर्ण होती दिख रही है। रूसी सेना यूक्रेन में लगातार आगे बढ़ रही है, और रूसी ड्रोन के नाटो क्षेत्र में प्रवेश की खबरें भी सामने आ रही हैं। इसी बीच अमेरिका खुले तौर पर रूस के भीतर हमलों की संभावना पर विचार कर रहा है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने हाल ही में कहा था, कि वॉशिंगटन यूक्रेन के उस अनुरोध पर विचार कर रहा है, जिसमें उसने रूस के भीतर, यहां तक कि मॉस्को तक हमले करने के लिए टॉमहॉक मिसाइलें मांगी हैं। हालांकि, इस पर अंतिम फैसला लिया गया या अभी रोक कर रखा गया है, यह पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है। वैसे पुतिन ने अमेरिकी प्रतिक्रिया पर तीखी टिप्पणी करते हुए साफ कह दिया है, कि अगर ऐसा हुआ, तो रूस और अमेरिका के बीच हाल में दिख रहे सकारात्मक संकेत पूरी तरह खत्म हो जाएंगे। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के उस बयान का भी जवाब दिया, जिसमें ट्रंप ने रूस को 'पेपर टाइगर' कहा था। पुतिन ने पलटकर कहा कि शायद नाटो ही 'पेपर टाइगर' है, जो रूस को आगे बढ़ने से रोकने में नाकाम रहा। रूस के सरकारी टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में पुतिन ने स्पष्ट किया कि रूस के दृष्टिकोण से यह कदम दोनों देशों के रिश्तों को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। इस चेतावनी के बाद वैश्विक स्तर पर रूस-यूएस संबंधों में तनाव बढ़ने की आशंका बढ़ गई है, जबकि यूक्रेन संकट और भी जटिल होने की बात कही जा रही है।

पीएम मोदी के निमंत्रण पर दो दिन की यात्रा पर भारत आ रहे ब्रिटेन के पीएम

दोनों नेता रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर करेंगे बात

नई दिल्ली

ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर 8-9 अक्टूबर को भारत की अपनी पहली यात्रा पर आ रहे हैं। कीर को यह न्योता पीएम मोदी ने दिया है। इस दौरे में दोनों नेता भारत-ब्रिटेन के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर बात करेंगे।

दोनों देशों ने 'विजन 2035' नाम से एक 10 साल का रोडमैप तैयार किया है। इसमें व्यापार, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य, शिक्षा और लोगों के बीच संपर्क जैसे कई मुद्दों पर काम किया जाएगा।

9 अक्टूबर को पीएम स्टार्मर और नरेंद्र मोदी मुंबई में होंगे। वहां वे बिजनेस और इंडस्ट्री के बड़े लोगों से मुलाकाता करेंगे। दोनों नेता भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते के मौकों पर चर्चा करेंगे। इस समझौते से दोनों देशों के बीच व्यापार को और बढ़ाने की उम्मीद है। दोनों नेता 6वें ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में भी भाग लेंगे। वहां वे नए आइडियाज वाले लोगों, नीति निर्माताओं और विशेषज्ञों से बातचीत करेंगे। साथ ही दोनों वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विचार करेंगे।

बता दें इससे पहले जुलाई 2025 में पीएम मोदी ब्रिटेन की यात्रा पर गए थे। वहां उन्होंने पीएम स्टार्मर से उनके गांव वाले घर चेकर्स में मुलाकात की थी। उस दौरान दोनों देशों ने रक्षा क्षेत्र में सह-विकास और सह-उत्पादन के लिए एक रोडमैप पर हस्ताक्षर हुए थे। पीएम मोदी ने ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय से भी नॉरफॉल्क के सैंड्रिंघम एस्टेट में मुलाकात की थी। उन्होंने राजा को अपनी पर्यावरण पहल 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत एक पौधा भेंट किया था।

24 जुलाई 2025 को भारत और ब्रिटेन ने सीईटीए पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते से भारत के

99 फीसदी निर्यात को ब्रिटेन में बिना टैक्स के जगह मिलेगी। ब्रिटेन के 90फीसदी सामान पर भी टैक्स हटेगा।

इससे दोनों देशों का व्यापार, जो अभी 56 बिलियन डॉलर का है, 2030 तक दोगुना होने की उम्मीद है। टेक्सटाइल, मछली, चमड़ा, जूते, खेल का सामान, खिलौने, गहने, इंजीनियरिंग और ऑटो पार्ट्स जैसे क्षेत्रों को इससे फायदा होगा। साथ ही आईटी, वित्त, कानूनी और शिक्षा सेवाओं में भी मौके बढ़ेंगे। भारतीय शेफ, योग प्रशिक्षक, आर्किटेक्ट और संगीतकारों के लिए वीजा नियम आसान होंगे।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने इसे दोनों देशों के लिए बड़ा कदम बताया है। सीईटीए से नौकरियां बढ़ेंगी और किसानों, कारीगरों, छोटे उद्यमियों और स्टार्टअप्स को फायदा मिलेगा। यह दौरा दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत करने का मौका है।

जुबिन गर्ग की मौत पर असम पुलिस लाचार, सिंगापुर नहीं जा सकती जांच टीम

सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने बताई वजह

गुवाहाटी

असम के लोकप्रिय गायक जुबिन गर्ग की मौत के मामले में जांच अब कई अड़चनों में फंसती दिख रही है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बताया कि असम पुलिस सिंगापुर जाकर जांच नहीं करेगी, क्योंकि वहां मौजूद गवाह जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जुबिन की मौत के समय नौका पर मौजूद असमिया लोगों को पूछताछ के लिए नोटिस भेजा गया था, लेकिन वे जवाब नहीं दे रहे हैं। ऐसी स्थिति में पुलिस के लिए विदेश जाकर जांच करना संभव नहीं है।

मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि यदि सिंगापुर में मौजूद वे लोग पुलिस जांच में शामिल हों, तभी मौत की सच्चाई तक पहुंचना संभव होगा। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने इस मामले में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) और एक न्यायिक आयोग का गठन किया है। टीम ने उन सभी लोगों को नोटिस भेजा है, जो जुबिन के साथ सिंगापुर गए थे।

गौरतलब है कि 19 सितंबर को जुबिन गर्ग की मौत सिंगापुर में स्वीमिंग के दौरान हुई थी। वे पूर्वोत्तर भारत महोत्सव में हिस्सा लेने वहां पहुंचे थे, जिसका आयोजन श्यामकानु महंत की कंपनी ने किया था। महोत्सव के आयोजक श्यामकानु महंत के खिलाफ 60 से अधिक एफआईआर दर्ज हैं। अब तक चार लोगों–श्यामकानु महंत, जुबिन के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा, और बैंड के सदस्य शेखर ज्योति गोस्वामी व अमृतप्रभा महंत–को गिरफ्तार किया गया है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)